www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 'रेवड़ी संस्कृति': लोकतंत्र का आधार या...

3 दिलों के सच्चे बादशाह शाहरुख खान

4 रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच मनाया...

वर्ष: 10 | अंक: 10 | दिल्ली, सोमवार, 3 नवम्बर 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

तुलसी विवाह का भव्य आयोजन किया गया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन बदायूं। यहाँ साहूकारा स्थित श्री गोदा रंगनाथ मंदिर में यह उत्सव तीन दिन से मनाया जा रहा था जिसमें विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें पहले दिन मंडप उत्सव का आयोजन किया गया तथा दूसरे दिन हल्दी मेहंदी का आयोजन किया गया। तीसरे दिन सुबह गोदा रंगनाथ जी की पालकी का नगर में भ्रमण किया गया। यह नगर यात्रा काली सड़क, मड़ाई चौक, गिनौ देवी स्कूल टिकट गंज, हलवाई चौक होती हुई रंग मंदिर पहुंची इस यात्रा में सभी रामानुज दास परिवार ने और अन्य लोगों ने बहुत आनंद लिया। सांय को फेयर और कन्यादान का भी आयोजन किया गया।

बिहार चुनाव से पहले 'बाहुबली' अनंत सिंह को झटका, 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

बिहार (एजेन्सी)। जन सुराज समर्थक दुलारचंद यादव की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए पूर्व विधायक और मोकामा से जनता दल (यूनाइटेड) के उम्मीदवार अनंत कुमार सिंह को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। शनिवार (1 नवंबर) देर रात हुई इस गिरफ्तारी ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। अनंत सिंह को उनके दो सहयोगियों, मणिकांत ठाकुर और रंजीत राम के साथ हिरासत में ले लिया गया। तीनों को शनिवार को पटना के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) के समक्ष पेश किया गया, जिसके बाद सिंह को दो सप्ताह की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उनकी गिरफ्तारी 30 अक्टूबर को मोकामा में हुई हिंसक झड़प के बाद हुई है, जिसमें जन सुराज पार्टी के समर्थक 75 वर्षीय दुलारचंद यादव की मौत हो गई थी।

धार्मिक आयोजन जीवन में धर्म, भक्ति और ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं: सीएम रेखा गुप्ता

कई धार्मिक आयोजनों में शामिल हुई रेखा गुप्ता

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कई धार्मिक आयोजनों में शामिल हुई। वहां उन्होंने भक्तिभाव का परिचय तो दिया ही साथ दिल्ली के नागरिकों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री का कहना था कि इस देश में सनातन की परंपरा आवश्यक है, साथ में विकास और प्रगति भी जरूरी है। मुख्यमंत्री का कहना था कि ऐसे आयोजन मानसिक शांति तो प्रदान ही करते है साथ ही धार्मिक सद्भाव को भी बल मिलता है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जिन प्रमुख कार्यक्रमों में शामिल हुईं, उनमें जन्माष्टमी पार्क, पंजाबी बाग में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ समारोह एवं कलश यात्रा, शालीमार बाग में तुलसी विवाह समारोह, पीतमपुरा में श्याम बाबा का जन्मोत्सव, एकादशी उद्यापन आदि कार्यक्रम शामिल हैं। इन कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री के साथ अनेकों श्रद्धालुओं ने भागीदारी की और आत्मीयता से इन समारोह में भक्तिभाव का परिचय दिया। इन कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री ने दिल्ली के नागरिकों नागरिकों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ समारोह में मुख्यमंत्री ने श्रद्धापूर्वक गुरुजी के आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में कलश धारण कर भक्ति-भाव से यात्रा निकाली, जिसमें पूरे वातावरण में 'हरे राम, हरे कृष्ण' के जयघोष और भक्ति के स्वर गूंजते रहे।

तुलसी विवाह के कार्यक्रम मे शामिल होकर मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों को इस पावन पर्व पर शुभकामनाएं दी और कहा कि माता तुलसी और भगवान शालिग्राम की कृपा से प्रत्येक घर में सुख, शांति और समृद्धि का वास हो। उन्होंने कामना की कि सभी नागरिकों का जीवन आरोग्यता के आशीर्वाद और मंगल के आलोक से सदा आलोकित रहे। तुलसी विवाह कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि भक्ति, श्रद्धा और परंपरा से ओतप्रोत यह आयोजन नारी शक्ति की आस्था, परिवार के संस्कार और समाज की एकता का सुंदर प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इस प्रकार के आयोजन केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जीवन को धर्म, भक्ति और ज्ञान के प्रकाश से आलोकित करने का माध्यम है। यह हमें सत्य, सेवा और समर्पण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन मानव जीवन को आंतरिक शांति और नैतिकता के मूल्यों से जोड़ते हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार जब मनुष्य ईश्वर के प्रति श्रद्धा और सत्कर्म के प्रति दृढ़ विश्वास रखता है, तब उसका जीवन केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के कल्याण का साधन बन जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज में एकता, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली की पहचान केवल विकास और प्रगति से नहीं, बल्कि उसकी गहराई में बसे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से भी होती है।

उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे भक्ति और सदाचार के इस पथ पर चलते हुए समाज में प्रेम, सेवा और समर्पण की भावना को आगे बढ़ाएं।

स्वामी श्री श्रद्धानंद ने दिल्ली में सत्याग्रह की भावना को जगाया: गुप्ता

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। स्वामी श्री दयानंद केवल एक संत और समाज सुधारक ही नहीं थे, बल्कि भारत की स्वतंत्रता के वास्तविक शिल्पी थे। उनके विचारों ने उस क्रांति की ज्योति प्रज्वलित की, जिसने आगे चलकर पूरे राष्ट्र को आलोकित किया, यह बात आज दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता ने आर्य समाज की स्थापना के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रोहिणी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय आर्य समाज सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत, डीएवी मैनेजमेंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पूनम सूरी, और आर्य समाज के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र सहित देश-विदेश से आए अनेक प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री गुप्ता ने स्वामी श्री दयानंद सरस्वती के अमूल्य योगदान को नमन करते हुए कहा कि सत्यार्थ प्रकाश ने न केवल समाज को जागरूक किया बल्कि एक नए भारत की वैचारिक नींव रखी, ऐसा भारत जो सत्य, समानता और राष्ट्रीय चेतना के आदर्शों पर आधारित है। उन्होंने कहा, स्वामी श्री दयानंद के समय देश की सबसे बड़ी आवश्यकता स्वतंत्रता की थी और उन्होंने ही उस महान क्रांति के बीज बोए। सत्य और न्याय का उनका आान भारत के स्वतंत्रता संग्राम की नैतिक शक्ति बना।

इतिहास के पन्नों का उल्लेख करते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि स्वामी श्री दयानंद का प्रभाव भारत के राष्ट्रीय आंदोलन में गहराई तक व्याप्त था, जिससे लाला लाजपत राय और राम प्रसाद बिस्मिल जैसे क्रांतिकारियों ने प्रेरणा ली। उन्होंने विशेष रूप से स्वामी श्री श्रद्धानंद की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा, स्वामी श्री श्रद्धानंद के नेतृत्व में 1919 में दिल्ली का सत्याग्रह जलियांवाला बाग आंदोलन की पहली चिंगारी था। जब अंग्रेजों ने चांदनी चौक में निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं, तब स्वामी श्रद्धानंद सबसे आगे थे। महात्मा गांधी ने स्वयं लिखा कि दिल्ली में स्वामी श्रद्धानंद का वचन ही कानून था।

श्री गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा और इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल के ऐतिहासिक संबंध का उल्लेख करते हुए कहा कि यह वास्तव में देश की पहली संसद थी। उन्होंने बताया कि 1919 में इसी भवन में अंग्रेजों ने भारतीय सदस्यों के विरोध के बावजूद रोलेट एक्ट पारित किया था, जिसके विरोध से गांधी जी के सत्याग्रह आंदोलन का सूत्रपात हुआ। स्वामी श्री श्रद्धानंद ने इसी दिल्ली में आंदोलन को आकार देकर राष्ट्र की चेतना को जगाया था"।

अपने भाषण के समापन में माननीय अध्यक्ष ने कहा कि आर्य समाज मानवता की सेवा के लिए जाना जाता है, लेकिन उसकी नींव क्रांति, सुधार और धर्मनिष्ठा पर आधारित है। उन्होंने कहा, स्वामी श्री दयानंद ने ऐसा आंदोलन खड़ा किया जो जाति-पाति और भेदभाव से ऊपर उठकर आदर्श नागरिक बनाने का प्रयास था, ऐसे नागरिक जिनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि हो और धर्म का अर्थ केवल यह हो कि वे कभी अधर्म का कार्य न करें। आज जब हम आर्य समाज के 150 वर्ष मना रहे हैं, तो हम उस राष्ट्रीय जागरण की अमर भावना का भी उत्सव मना रहे हैं जो स्वामी श्री दयानंद ने भारत को दी थी"।

अंत में श्री गुप्ता ने आर्य समाज समुदाय को राष्ट्र निर्माण और सामाजिक सुधार के क्षेत्र में उनके 150 वर्षों के निरंतर योगदान के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि स्वामी श्री दयानंद सरस्वती के सत्य, समानता और राष्ट्रभक्ति के आदर्श आज भी भारत को प्रेरित करते हैं।

गुरुग्राम में 27वें हरियाणा खेल उत्सव का आगाज, सीएम नायब सिंह सैनी ने किया शुभारंभ

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा की युवा ऊर्जा, हमारा खेल ढांचा और खिलाड़ियों के लिए सुविधाएं, सब मिलकर एक नया इतिहास रच रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आज दुनिया भारत को एक उभरती खेल शक्ति के रूप में देख रही है, जिसमें हरियाणा की निर्णायक भूमिका है। मुख्यमंत्री आज रविवार की शाम गुरुग्राम के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के तत्वावधान में 27वें हरियाणा राज्य खेल उत्सव के शुभारंभ कार्यक्रम को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

शुभारंभ कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष एवं सांसद श्रीमती पी.टी. ऊषा तथा हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष जसविंदर मीनू बेनीवाल, हरियाणा के पद्मश्री, अर्जुन अवॉर्डी तथा भीम अवार्डी खिलाड़ी मौजूद रहें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तथा दीप प्रज्वलित कर हरियाणा राज्य खेल उत्सव का शुभारंभ करने उपरांत आयोजन में उपस्थित प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि मिट्टी से मेडल तक थीम के साथ आयोजित हो रहा 27वां हरियाणा राज्य खेल उत्सव एक संकल्प है कि हम हर गांव, हर शहर, हर खेल मैदान से प्रतिभाओं को खोजेंगे, उन्हें तराशेंगे और उन्हें विश्व मंच तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा स्टेट गेम्स केवल प्रतियोगिता नहीं है, यह खिलाड़ियों के कौशल, साहस और संकल्प की परीक्षा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्ष 2028, 2032 और 2036 के ओलंपिक खेलों में पदक लेने वाले खिलाड़ी आप में से ही होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में हरियाणा में 1 हजार 489 खेल नर्सरियां कार्यरत हैं। जिनमें 37 हजार 225 खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। नर्सरियों में नामांकित 8 से 14 वर्ष की आयु के खिलाड़ियों को 1500 रुपये तथा 15 से 19 वर्ष की आयु के खिलाड़ियों को दो हजार रुपये प्रति माह दिए जा रहे हैं। वहीं खेल नर्सरी प्रशिक्षकों को 25 हजार रुपये तक मानदेय भी दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित रोजगार सुनिश्चित करने के लिए 'हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी सेवा नियम 2021' बनाये हैं। इसके तहत खेल विभाग में 550 नए पद बनाये गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल प्रतिभाओं को सम्मान करते हुए पिछले 11 वर्षों में हरियाणा सरकार ने खिलाड़ियों को 641 करोड़ रुपए के नगद पुरस्कार दिए हैं। हरियाणा सरकार ने हरियाणा खेल उपकरण प्रावधान योजना बनाई है। इसके तहत 15 हजार 634 खिलाड़ियों को उपकरण प्रदान किए गए हैं।

उत्सव में विशिष्ट अतिथि तथा भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष एवं सांसद श्रीमती पी.टी. ऊषा ने कहा कि हरियाणा की मिट्टी में हौसला, साहस और दृढ़ निश्चय की ऐसी ऊर्जा है जिसने हमेशा देश को विश्व स्तरीय खिलाड़ी दिए हैं। राज्य सरकार और हरियाणा ओलंपिक संघ के बीच आपसी सहयोग से खेलों का यह पुनर्जागरण संभव हुआ है। खेल मैदानों से लेकर एथलेटिक ट्रैक और शूटिंग रेंज तक, हर जगह हरियाणा प्रदेश

की खेल नीतियों और सुविधाओं का प्रभाव दिखाई देता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में यह सहयोग आगे भी इसी तरह जारी रहेगा और हरियाणा खेल जगत में नई ऊंचाइयां छुएगा।

हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष कैप्टन जसविंदर मीनू बेनीवाल ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का 27वें हरियाणा स्टेट गेम्स में पहुंचने पर स्वागत किया। उन्होंने स्टेट गेम्स के थीम मिट्टी से मेडल का जिक्र करते हुए कि आज के आयोजन की प्रेरणा के स्रोत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी है। हरियाणा में एक दशक से भी अधिक समय के बाद युवा शक्ति को खेलों की यह दिवाली मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में देखने को मिली है। उन्होंने कहा कि स्टेट गेम्स के प्रतिभागी बच्चे आने वाले समय में ओलंपिक खेलों में राष्ट्रगान बजवाएंगे। जिससे हरियाणा और भारत का नाम दुनिया में ऊंचा होगा। भारत में हरियाणा पहला प्रदेश जिसमें पहली बार इतने भव्य रूप में स्टेट गेम्स आयोजित हुए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने युवाओं को प्रोत्साहन देने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए है। मेरिट पर भर्ती और अच्छी खेल नीति की वजह से खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिल गया रहा है। उन्होंने इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन की प्रेसिडेंट पी टी ऊषा को अपनी बड़ी बहन बताते हुए कहा कि खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए उनका सदैव मार्गदर्शन मिलता है।

इस बार के राज्य खेल उत्सव का शुभंकर महाबली चीता रखा गया है, जो हरियाणा के खिलाड़ियों की तेज रफ्तार, साहस और जीत की भावना का प्रतीक है। वहीं, आयोजन का थीम सॉन्ग माटी ते मेडल उपजें छोरे छोरी हरियाणा के पूरे राज्य में जोश और गर्व का संचार कर रहा है। इस गीत के माध्यम से हरियाणा की मिट्टी से जुड़े खिलाड़ियों की मेहनत और जज्बे को सलाम किया गया है। उत्सव में हरियाणा प्रदेश की गौरवशाली खेल यात्रा पर एवी क्लिप पर प्रदर्शित की गई। हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के तत्वावधान में यह खेल उत्सव 8 नवंबर को कुरुक्षेत्र में सम्पन्न होगा। मिट्टी से मेडल तक थीम पर आधारित इस सात दिवसीय उत्सव में हरियाणा के नौ जिलों सहित चंडीगढ़ तथा नई दिल्ली में 24 विभिन्न खेल स्पर्धाएं आयोजित की जाएगी जिनमें राज्य भर के 6 हजार से अधिक खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

गुरुग्राम में हॉकी, एथलेटिक्स, हैंडबॉल, टेबल टेनिस, फरीदाबाद में आर्चरी, वेटलिफ्टिंग, फेसिंग, टेनिस, सोनीपत में नेटबॉल, कुश्ती, कराटे, जूडो, कुरुक्षेत्र में योगासन, साइक्लिंग (रोड और ट्रैक इवेंट्स), पंचकूला में कबड्डी, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, झज्जर में ट्रायथलॉन वॉटरपोलो (तैराकी, साइकिलिंग, दौड़), रोहतक में बॉक्सिंग, करनाल में फुटबॉल, नई दिल्ली में शूटिंग तथा चंडीगढ़ में नौकायन (जलक्रीड़ा)।

शुभारंभ समारोह में भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद धर्मबीर सिंह, एशियन कैनोइंग एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रशांत कुशवाहा, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, खरखौदा के विधायक पवन खरखौदा, नलवा के विधायक रणधीर सिंह पणिहार, पूर्व मंत्री संजय सिंह, हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष मंजीत सिंह, बीजेपी के जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। वहीं जिला प्रशासन की ओर से डीसी अजय कुमार व नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में कैथल में आयोजित होंगे वरिष्ठ नागरिक सहायता शिविर

संजना भारती संवाददाता

कैथल। सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में सुविधा, आत्मनिर्भरता और सम्मान बढ़ाने के उद्देश्य के लिए कैथल जिले में वरिष्ठ नागरिक सहायता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए ये शिविर भारत सरकार की राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत और सांसद नवीन जिन्दल के सहयोग से कैथल के ब्लॉक कैथल,चीका, कलायत, पुंडरी और राजौंद में आयोजित हो रहे हैं। ये शिविर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, ऐल्मिको (मोहाली) और जिला रेडक्रॉस सोसाइटी, कैथल के साथ मिलकर आयोजित किए जा रहे हैं।

सांसद कुरुक्षेत्र नवीन जिंदल

इन शिविरों के बारे में जानकारी देते हुए सांसद नवीन जिन्दल के कैथल कार्यालय प्रभारी रविंद्र धीमान ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल सदैव सेवा समर्पण की भावना जनकल्याण के कार्यों में हमेशा आगे रहते हैं। इन शिविरों का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर कमजोर समाज के उन वरिष्ठ नागरिकों तक पहुंचना है जो सुनने, देखने, चलने या पकड़ने की क्षमता में कठिनाई का सामना कर रहे हैं। इन शिविरों में सभी सहयोगी संस्थाओं से मिलकर विशेषज्ञ चिकित्सक वरिष्ठ नागरिकों की जांच करेंगे और सुनने की मशीन, चश्मा, वॉकर, बैसाखी, व्हीलचेयर आदि उपकरण निशुल्क प्रदान किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि इन शिविरों का आयोजन 3 नवम्बर को न्यू रेडक्रॉस भवन, कचहरी रोड कैथल, 4 नवम्बर को कार्यालय खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी चीका, 5 नवम्बर को कार्यालय खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, कलायत 6 नवम्बर को कार्यालय खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, पूंडरी और 7 नवम्बर को कार्यालय खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, राजौंद में होगा। उन्होंने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल का मानना है कि वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज की धरोहर हैं। उनके सुख, स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा करना हम सबका कर्तव्य है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार वरिष्ठ नागरिकों के लिए अनेक जन-कल्याणकारी योजनाएं चला रही है, और राष्ट्रीय वयोश्री योजना उनमें से एक महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल की टीम इन कैंपों के सफल आयोजन के लिए जुटी हुई है। उन्होंने जिले के सभी लोगों से अपील की कि वे अपने माता-पिता, दादा-दादी और परिवार के अन्य वरिष्ठ सदस्यों को लेकर इन शिविरों में अवश्य पहुंचे, ताकि वे इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

बड़ी चुनौतियों के बावजूद पंजाब की जीएसटी प्राप्ति में 21.51% की वृद्धि: हरपाल सिंह चीमा

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। वित्तीय लचीलापन और प्रशासनिक दक्षता का शानदार प्रदर्शन करते हुए, पंजाब ने अक्टूबर 2025 तक शुद्ध जीएसटी संग्रह में 21.51 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जबकि केवल अक्टूबर माह में 14.46 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई है। यह जानकारी यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में देते हुए पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कर मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने व्यापक बाढ़ और जीएसटी 2.0 के तहत हाल ही में कर दरों के तार्किकीकरण के बावजूद राज्य के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने वृद्धि के आंकड़े साझा करते हुए बताया कि राज्य ने अप्रैल से अक्टूबर 2025 तक शुद्ध जीएसटी के रूप में 15,683.59 करोड़ रुपये प्राप्त किए, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह प्राप्ति 12,907.31 करोड़ रुपये थी। इस प्रकार राज्य की जीएसटी प्राप्ति में 2,776 करोड़ रुपये की शानदार वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि इसके विपरीत वित्त वर्ष 2024-25 में अक्टूबर 2024 तक वृद्धि दर मात्र 3.8 प्रतिशत थी।

वित्त मंत्री ने आगे बताया कि अक्टूबर 2025 के लिए राज्य की शुद्ध जीएसटी प्राप्ति 2,359.16 करोड़ रुपये रही, जबकि अक्टूबर 2024 में यह प्राप्ति 2,061.23 करोड़ रुपये थी-यानी 298 करोड़ रुपये की वृद्धि, जो राज्य की निरंतर आर्थिक गति को दर्शाती है। उन्होंने यह भी कहा कि यह वृद्धि सितंबर 2025 में लागू किए गए जीएसटी 2.0 सुधारों के बाद हुई है, जिनमें कई कर दरों को कम किया गया था। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कर दरों में कटौतियों और भयंकर बाढ़ जैसी कठिन परिस्थितियों के बावजूद, पंजाब की जीएसटी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो बेहतर अनुपालन, कर चोरी विरोधी पहलों और डिजिटल निगरानी प्रणालियों की सफलता को दर्शाती है। राज्य की 21.5 प्रतिशत की वृद्धि दर राष्ट्रीय औसत 7 प्रतिशत से कहीं अधिक है, जिससे पंजाब उत्तर भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों में शामिल हो गया है।

उन्होंने आगे कहा कि अक्टूबर 2025 तक एसजीएसटी और आईजीएसटी के पोस्ट-सेटलमेंट आंकड़े पंजाब की वित्तीय मजबूती की और पुष्टि करते हैं, क्योंकि राज्य की समग्र वृद्धि दर हरियाणा को छोड़कर सभी पड़ोसी राज्यों से अधिक रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि यह प्रदर्शन पंजाब के व्यापार और उद्योग की लचीलापन को दर्शाता है, विशेष रूप से यह देखते हुए कि इस अवधि में राज्य के लगभग आधे जिले बाढ़ से प्रभावित थे।

मुख्यमंत्री सैनी ने समालखा में आयोजित 78वें निरंकारी संत समागम में की शिरकत

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निरंकारी संत समागम में रविवार को उपस्थित लाखों श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि निरंकारी मिशन ने जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के भेद से ऊपर उठकर मानव को एकता का मार्ग दिखाया है। इस मिशन ने वर्षों से समाज में प्रेम एकता, मानवता और ईश्वर ज्ञान का संदेश फैलाया है। जब भी इस तरह के कार्यक्रमों में श्रद्धालु एक छत के नीचे एक नाम और एक भावना के साथ एकत्रित होते हैं तब यह धरती शांति और करुणा की जीवंत मिसाल बन जाती है। उन्होंने समालखा में आयोजित 78 वें निरंकारी संत समागम में उपस्थित श्रद्धालुओं को हृदय की गहराइयों से अपनी बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की और कहा कि संत निरंकारी मिशन वर्षों से सेवा भाव का संवाहक रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज के समय में हम अक्सर बाहरी जगत को सुधारने में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि अपने भीतर ही झांकना भूल जाते हैं। यहां आयोजित इस संत समागम में आत्म मंथन करने का जो अवसर मिला है, यह हम सबको निरंकार के और निकट लाता है। आत्ममंथन का अर्थ है कि अपने अंतर्मन में उतरकर यह देखना कि मैं वही कर रहा हूं जो एक अच्छे इंसान को करना चाहिए और हम सबके भीतर करुणा, दया और प्रेम जीवित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निरंकारी मिशन हमें सिखाता है कि ईश्वर हमारे भीतर ही निवास करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निरंकारी मिशन केवल आध्यात्मिकता तक ही सीमित नहीं है बल्कि समाज सेवा में भी अग्रणी है। मिशन के द्वारा रक्तदान, वृक्षारोपण अभियान, शिक्षा में सहायता, नशे की रोकथाम और आपदा प्रबंधन के कार्यों में अभूतपूर्व कार्य किया है और यह सिद्ध किया है कि सच्चा सेवक वही है जो दूसरों के लिए जीता है। मिशन ने इस बार आत्ममंथन के साथ पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति और जन कल्याण से जुड़ी कई गतिविधियां भी आरंभ की है, जो की आत्ममंथन का ही विस्तार है क्योंकि जब मानव स्वयं में सुधार लाता है तभी समाज और राष्ट्र का सुधार संभव हो पाता है। बाबा हरदेव सिंह जी, माता सविंदर हरदेव जी, सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के मार्गदर्शन में इस मिशन ने विश्व भर में यह संदेश फैलाया है कि पहले मनुष्य बनो यानी प्रेम, सहयोग और समर्पण को अपने जीवन की मूल भावना बनाएं।

सम्पादकीय

वायु में जहर...

भारत की वायु में जहर घुल चुका है। हाल ही में चिकित्सा जनरल में प्रकाशित एक अध्ययन ने यह निष्कर्ष दिया है कि 2010 की तुलना में 2022 में हवा में जानलेवा साबित होने वाले पीएम 2.5 कणों की मात्रा 38 प्रतिशत बढ़ चुकी है। इस वृद्धि का परिणाम यह हुआ कि भारत में सत्रह लाख से अधिक लोगों की अकाल मृत्यु वायु प्रदूषण के कारण हुई। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि मानवता की उस सांस का हिसाब है जो हमारे शहरों, गांवों और जीवन से हर दिन छीनी जा रही है। प्रदूषण अब केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं रह गया है, यह हमारे विकास, अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय के ढांचे पर गहरी चोट कर रहा है। यह भी सहज ही समझा जा सकता है कि 2022 की तुलना में अब वायु प्रदूषण ने और गंभीर रूप लेते हुए जानेलेवा हो गया है, क्योंकि बीते तीन वर्षों में इस समस्या के समाधान के लिए ठोस उपाय किए ही नहीं गए। इसका प्रमाण यह है कि इन दिनों दिल्ली समेत देश के अनेक शहर बुरी तरह प्रदूषण की चपेट में हैं। यह न केवल सरकार की शर्मनाक नाकामी है बल्कि भयावह और बेहद दर्दनाक भी है। द लेंसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ ऐंड क्लाइमेट चेंज 2025 रिपोर्ट केवल तथ्य नहीं, एक गंभीर चेतावनी है। लैंसेट की रिपोर्ट ही नहीं, अलग-अलग वर्षों में विभिन्न संस्थाओं के अध्ययनों ने भी कुछ इसी तरह के चिन्ताजनक आंकड़े पेश किए हैं। भारत की विशाल आबादी के कारण भी यह संख्या बड़ी हो सकती है, मगर यह समस्या गंभीर चिंतन और तत्काल निवारक कदम उठाए जाने की मांग करती है। भारत में प्रदूषण केवल औद्योगिक उत्पादन या वाहनों की बढ़ती संख्या से नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली, असंतुलित शहरीकरण और अनियोजित निर्माण से भी बढ़ रहा है। हर शहर में धूल, धुआं और अव्यवस्था की परतें जमी हैं। निर्माण स्थलों से उठने वाली धूल, खेतों में पराली जलाने की आदत, घरेलू ईंधनों का अंधाधुंध उपयोग और बढ़ते वाहनों की भीड़-ये सब मिलकर वातावरण को घुटनभरा एवं जानलेवा बना रहे हैं। हमारे शहर अब सांसों के शत्रु बन गए हैं। बढ़ते प्रदूषण की पीड़ा नीति-निर्धारकों से नहीं, उन लोगों से पूछिए, जो खांसते-खांसते बेदम हो जाते हैं और आखिरकार कई के फेफड़े-हृदय उनका साथ देना बंद कर देते हैं। विडंबना यह है कि इनमें से ज्यादातर उस गलती की सजा भुगतने को अभिशप्त हैं, जो उन्होंने नहीं की। वायु में मौजूद सूक्ष्म कण अब हर सांस में जहर बनकर प्रवेश कर रहे हैं। इस प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता है। कोयला, पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों ने न केवल हवा को जहरीला बनाया है बल्कि हमारे अस्तित्व की नींव को भी कमजोर कर दिया है। इन स्रोतों से होने वाले उत्सर्जन के कारण लाखों लोग असमय काल के ग्रास बन रहे हैं, लेकिन ऊर्जा नीति में सुधार की गति अत्यंत धीमी है। सरकारें बार-बार स्वच्छ ऊर्जा की बात करती हैं, योजनाएं बनाती हैं, लक्ष्य घोषित करती हैं, पर उनका क्रियान्वयन न के बराबर होता है। सबसे गंभीर तथ्य यह है कि इस प्रदूषण के शिकार सबसे अधिक वे लोग हैं जो इसके निमार्ता नहीं हैं। गरीब मजदूर, झुग्गियों में रहने वाले, बच्चे और बुजुर्ग-ये सभी उस वायु के दंश झेल रहे हैं जिसका लाभ अमीरों ने उठाया है। एक ताजा अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट के अनुसार, अमीर तबके का प्रदूषण में योगदान अत्यधिक है। पेरिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स की जलवायु असमानता रिपोर्ट 2025 बताती है कि विश्व के सबसे धनी लोग अपनी संपत्ति और निवेशों के माध्यम से जलवायु संकट को बढ़ा रहे हैं। वैश्विक कार्बन उत्सर्जन के 41 प्रतिशत के लिए निजी पूंजी जिम्मेदार है। इसका अर्थ यह हुआ कि प्रदूषण का असली निमार्ता संपन्न वर्ग है, जबकि उसकी कीमत गरीब वर्ग अपनी सांसों और जीवन से चुका रहा है।

गजल

उनसे मिलने जाऊं क्या
मिलकर फिर पछताऊं क्या
जिनके कारण रोगी हूं
नब्ज उन्हें दिखलाऊं क्या
होगा ही जो होना है
खुद को यूं समझाऊं क्या
अब तक खाये धोखे ही
इक धोखा फिर खाऊं क्या
उनको लिक्खूं पत्र अगर
उनसे ही लिखवाऊं क्या
मेरे साथ जमाना है
खुद को याद दिलाऊं क्या
जो भी मेरे दुश्मन हैं
उनको मित्र बनाऊं क्या

-मिन्टू कुमार (बेगूसराय)

जयंती

पृथ्वीराज कपूर

जन्म: 3 नवंबर, 1906 पंजाब, पाकिस्तान, मृत्यु: 29 मई, 1972 बंबई, महाराष्ट्र) हिंदी फिल्म और रंगमंच अभिनय के इतिहास पुरुष, जिन्होंने बंबई में पृथ्वी थिएटर स्थापित किया। 'भारतीय सिनेमा जगत के युगपुरुष' पृथ्वीराज कपूर का नाम एक ऐसे अभिनेता के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने अपनी कड़क आवाज, रोबदार भाव भंगिमाओं और दमदार अभिनय के बल पर लगभग चार दशकों तक सिने दर्शकों के दिलों पर राज किया।

पुण्यतिथि

सोमनाथ शर्मा

जन्म: 31 जनवरी, 1923; शहादत: 3 नवम्बर, 1947) भारतीय सेना की कुमाऊँ रेजिमेंट की चौथी बटालियन की डेल्टा कंपनी के कंपनी-कमांडर थे जिन्होंने अक्टूबर-नवम्बर, 1947 के भारत-पाक संघर्ष में अपनी वीरता से शत्रु के छक्के छुड़ा दिये। उन्हें भारत सरकार ने मरणोपरान्त परमवीर चक्र से सम्मानित किया। परमवीर चक्र पाने वाले ये प्रथम व्यक्ति हैं।

कल मिलेंगे

लड़का-तुम्हें मेरे अंदर सबसे अच्छी बात क्या लगती है?
लड़की-लोग समय के साथ बदल जाते हैं, पर तुम नहीं बदले।
लड़का-वो कैसे?
लड़की-जब मैं तुमसे मिली थी तब भी तुम बेरोजगार थे और आज भी बेरोजगार हो।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

'रेवड़ी संस्कृति': लोकतंत्र का आधार या प्रलोभन की डगर?

-ललित गर्ग

बिहार का यह चुनाव इसलिए खास नहीं है क्योंकि इससे दो दशकों से राज्य का चेहरा रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भविष्य तय होना है-यह खास इसलिये है क्योंकि दोनों गठबंधनों की तरफ से एक जैसी राजनीति चल रही है-लोकलुभावन घोषणाओं की। महागठबंधन ने दो दिन पहले तेजस्वी-संकल्प घोषित किया। कांग्रेस, आरजेडी और दूसरे सहयोगी दलों ने बीते दिनों में जो चुनावी वादे किए हैं, उन्हें ही इसमें शामिल किया गया है

बिहार की राजनीति एक बार फिर चुनावी रंग में रंग चुकी है। हर चुनावी सभा में, गली-मोहल्ले से लेकर सोशल मीडिया तक मुफ्त रेवडियों की घोषणाओं और वादों की बाढ़ आई हुई है। यह चुनावी मौसम पहले की तरह इस बार भी रेवड़ी संस्कृति से सराबोर दिखाई देता है। महागठबंधन हो या एनडीए-दोनों गठबंधन एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में ऐसे-ऐसे वादे कर रहे हैं जो सुनने में आकर्षक लगते हैं, पर उनकी व्यवहारिकता और आर्थिक सम्भावना पर गंभीर प्रश्न उठते हैं। ये चुनावी वादें कैसे पूरे होंगे या जनता के साथ विश्वासघात होगा? हर दल मतदाताओं को लुभाने के लिए घोषणाओं की झड़ी लगा रहा है, लेकिन शायद ही किसी ने यह सोचा हो कि इन लोकलुभावन योजनाओं के लिए फंड कहां से आएगा, कैसे उनकी पूर्ति होगी और क्या यह राज्य की कमजोर आर्थिक स्थिति पर और बोझ नहीं बनेगा।

बिहार का यह चुनाव इसलिए खास नहीं है क्योंकि इससे दो दशकों से राज्य का चेहरा रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भविष्य तय होना है-यह खास इसलिये है क्योंकि दोनों गठबंधनों की तरफ से एक जैसी राजनीति चल रही है-लोकलुभावन घोषणाओं की। महागठबंधन ने दो दिन पहले तेजस्वी -संकल्प घोषित किया। कांग्रेस, आरजेडी और दूसरे सहयोगी दलों ने बीते दिनों में जो चुनावी वादे किए हैं, उन्हें ही इसमें शामिल किया गया है। दूसरी ओर एनडीए के वादों की लिस्ट भी बेहद लंबी है। शुरूआत में नीतीश सरकार की तरफ से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10 हजार रुपये, 125 यूनिट फ्री बिजली, एक करोड़ नौकरियों का वादा, महिलाओं को नौकरी में आरक्षण, बढ़ी पेंशन-नीतीश ने चुनावी अभियान इस तरह शुरू किया। महागठबंधन ने जवाब में 200 यूनिट फ्री बिजली, हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, महिलाओं को हर महीने ढाई हजार, और भी बहुत कुछ देने का वादा किया है। दोनों की गठबंधन की आसमानी घोषणाएं लुभा रही है, जनता को गुमराह कर रही है, सीधे-सीधे रूप में यह वोटों को खरीदने की साजिश है। नीति आयोग के आंकड़े बताते हैं कि देश की जनसंख्या में बिहार का हिस्सा 9 प्रतिशत से ज्यादा है, पर जीडीपी में योगदान 2021-22 में घटकर 2.8 प्रतिशत रह गया। बिहार की प्रति व्यक्ति आय देश की औसत प्रति व्यक्ति आय का केवल 30 प्रतिशत है, जबकि बेरोजगारी ज्यादा है। 2022-23 में राज्य की जीडीपी की तुलना में ऋण का अनुपात 39.6 प्रतिशत था।

बिहार के सामने सबसे बड़ी समस्या है आय के साधन जुटाने की। कुल कमाई में उसका अपना टैक्स रेवेन्यू केवल 23 प्रतिशत है और केंद्र की तरफ से अनुदान का हिस्सा 21 प्रतिशत। जन सुराज का दावा है कि मुफ्त की योजनाओं को पूरा करने के लिए 33 हजार करोड़ चाहिए होंगे। इस आंकड़े को सच मान लें तो राज्य के कुल बजट में से रोजमर्रा के कामकाज व योजनाओं का खर्च निकालने के बाद करीब 40 हजार करोड़ रुपये बचते हैं। क्या मुफ्त रेवड़ियों की घोषणाओं के वादा इससे पूरे होंगे? एनडीए और महागठबंधन, दोनों ही एक-दूसरे की घोषणाओं पर सवाल उठा रहे हैं। हालांकि हकीकत में दोनों को बताना चाहिए कि वे किस तरह इन वादों को पूरा करेंगे। बेरोजगारों को भत्ता, महिलाओं को नकद सहायता, युवाओं को लैपटॉप, किसानों के लिए ऋणमाफी-इन घोषणाओं की बाढ़ ने लोकतंत्र को मजबूती देने के बजाय उसे लोकलुभावन जाल में फंसा दिया है। यह स्थिति केवल बिहार की नहीं, पूरे देश की राजनीति में एक नई प्रवृत्ति के रूप में उभर रही है, जहां सत्ता की कुर्सी तक पहुंचने का रास्ता जनता की विवेकशीलता से नहीं, बल्कि प्रलोभनों की मिठास से तय किया जा रहा है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं, क्योंकि यह मतदाता को उपभोक्ता में बदल देती है और राजनीति को नीति से भटकाकर लाभ की गणित में फंसा देती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कही गई रेवड़ी संस्कृति की अवधारणा आज बिहार की राजनीति में पूर्णरूपेण साकार होती दिख रही है। मुफ्त बिजली, राशन, यात्रा या सहायता योजनाएं अब चुनावी घोषणाओं की अनिवार्य शर्त बन गई हैं। जनकल्याण का उद्देश्य पीछे छूट गया है, सामने है तो केवल वोटों की गिनती। इन घोषणाओं के माध्यम से मतदाता को प्रभावित करना एक तरह का सॉफ्ट करप्शन है, जहां खरीदी खुलकर नहीं होती, पर मानसिक रूप से मतदाता को बंधक बना लिया जाता है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र की आत्मा पर आघात है, क्योंकि यह नीतियों और सिद्धांतों को कमजोर करती है और राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का खेल बना देती है। लोकतंत्र तभी सशक्त होगा जब चुनाव नैतिक और नीति-सम्मत हों। चुनाव का अर्थ केवल जीत और हार नहीं, बल्कि समाज के चरित्र और दिशा का निर्धारण है। नैतिक राजनीति वही है जिसमें जनहित को सर्वोपरि माना जाए, न कि तत्कालिक लाभ को। यदि राजनीतिक दल अपने घोषणापत्र में केवल आकर्षक वादे ही भरते जाएं और उनके पीछे कोई आर्थिक या सामाजिक दृष्टि न हो, तो यह लोकतंत्र की आत्मा के साथ खिलवाड़ है। मतदाता को चाहिए कि वह ऐसी घोषणाओं से प्रभावित न हो, बल्कि यह देखे कि कौन-सी पार्टी या नेता दीर्घकालिक सुधार, रोजगार सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुशासन की बात कर रहा है। लोकतंत्र उपहार नहीं, उत्तरदायित्व है, इसे समझना और निभाना नागरिक का धर्म है।

वोट किसी के द्वारा दी जा रही मुफ्त सुविधाओं के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की स्थिरता, सुशासन और सच्चे विकास के लिए दिया जाना चाहिए। मतदाता का विवेक ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। अगर जनता भावनाओं या लालच में निर्णय लेगी, तो राजनीति और शासन दोनों भ्रष्ट हो जाएंगे। इसी तरह दलों को भी आत्मसंयम रखना चाहिए और यह समझना चाहिए कि सत्ता की प्राप्ति साधन नहीं, सेवा का अवसर है। आज सबसे बड़ी जरूरत है कि चुनावी घोषणाओं पर एक नियंत्रण तंत्र बने, चुनाव आयोग और नीति आयोग मिलकर इस पर नियम तय करें कि कोई भी दल अपने घोषणापत्र में ऐसे वादे न करे जिनका कोई आर्थिक आधार न हो। मीडिया को भी केवल वादों को प्रचारित करने में नहीं, बल्कि उनकी समीक्षा करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। जनता के बीच मतदाता शिक्षण अभियान चलाए जाने चाहिए ताकि लोग यह समझ सकें कि वोट किसी प्रलोभन का प्रत्युत्तर नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। वैसे तो दोनों ही गठबंधन एक-दूसरे की घोषणाओं पर सवाल खड़े कर रहे हैं। भाजपा-जद(यू) गठबंधन तेजस्वी की छवि को एक गैर जिम्मेदार सपने बेचने वाले नेता के रूप में गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। जाहिर है कि जब तक वादों को ठोस नीति में नहीं बदला जाएगा, वे केवल भाषणों की सजावट बने रहेंगे। महागठबंधन को चाहिए कि वह अपने घोषणापत्र को भावनात्मक अपील की बजाय आर्थिक व्यवहार्यता के साथ तैयार करे। यही रणनीति जनता में भरोसा जगाएगी और विपक्ष के हमलों को कमजोर करेगी। तेजस्वी यादव का करिश्मा, संवाद शैली और युवाओं से जुड़ाव उन्हें बिहार की राजनीति में एक बड़ा चेहरा बनाते हैं लेकिन उनकी पूरी चुनावी रणनीति धुआंधार वादों के इर्द-गिर्द घूम रही है। राजनीति में कोई भी वादा तब ताकत बनता है जब उसमें विश्वसनीयता, यथार्थता और क्रियान्वयन की संभावना हो।

लोकतंत्र की पवित्रता तभी बचेगी जब राजनीति नीति से संचालित होगी, जब सत्ता सेवा का माध्यम बनेगी और जब मतदाता अपने विवेक से निर्णय लेगा। बिहार जैसे प्रबुद्ध राज्य को चाहिए कि वह रेवड़ी संस्कृति से ऊपर उठकर विकास, रोजगार, शिक्षा, नैतिकता और सुशासन पर आधारित राजनीति का चयन करे। तभी लोकतंत्र अपने वास्तविक अर्थ में जीवित रहेगा और आने वाली पीढ़ियां गर्व से कह सकेंगी-ह्लहमने वोट से अपना भविष्य खरीदा नहीं, बनाया है।"

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आस्था को राजनीति की सीढ़ी बना रहे जेडी वेंस ने पत्नी उषा समेत पूरे हिंदू समुदाय का अपमान किया

-नीरज कुमार दुबे

2014 में जब जेडी और उषा वेंस का विवाह हुआ था, तब वह आधुनिक अमेरिका में सांस्कृतिक और धार्मिक सहअस्तित्व की मिसाल माना गया। शादी में वैदिक मंत्र भी थे और चर्च के गीत भी। वेंस उस समय गर्व से कहते थे कि उनकी पत्नी के हिंदू संस्कारों ने उन्हें विनम्रता और ईश्वर के करीब रहना सिखाया। लेकिन अब, जब वह ट्रम्प समर्थक कट्टर दक्षिणपंथी राजनीति के केंद्र में हैं, तो वही उषा की आस्था कमजोरी के रूप में दिखाई जाने लगी है

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की टिप्पणी ने एक बार फिर दिखा दिया है कि जब धर्म राजनीति का औजार बन जाता है, तो सबसे पहले सम्मान और संवेदनशीलता की बलि चढ़ती है। मिसिसिपी में हुए Turning Point USA कार्यक्रम में वेंस ने कहा कि उनकी पत्नी उषा वेंस, जो जन्म से हिंदू हैं, धार्मिक नहीं थीं और वह उम्मीद करते हैं कि एक दिन वह भी ईसा मसीह में विश्वास करेंगी। यह सुनते ही दुनियाभर के हिंदू समुदाय में नाराजगी फैल गई।

कुछ साल पहले तक यही जेडी वेंस अपनी पत्नी की आस्था की सराहना करते थे। वह कहते थे कि उषा ने उन्हें ईश्वर और प्रार्थना की ओर लौटने की प्रेरणा दी। उनकी किताब Hillbilly Elegy में भी उषा की भूमिका को उनकी आध्यात्मिक यात्रा का केंद्र बताया गया था। पर अब वही व्यक्ति अपनी पत्नी के धर्म को अधूरा बताने लगे हैं क्योंकि आज वह राजनीति के ऐसे दौर में हैं, जहाँ धर्म सिर्फ. आस्था नहीं, बल्कि चुनावी हथियार बन चुका है।

हम आपको बता दें कि 2014 में जब जेडी और उषा वेंस का विवाह हुआ था, तब वह आधुनिक अमेरिका में सांस्कृतिक और धार्मिक सहअस्तित्व की मिसाल माना गया। शादी में वैदिक मंत्र भी थे और चर्च के गीत भी। वेंस उस समय गर्व से कहते थे कि उनकी पत्नी के हिंदू संस्कारों ने उन्हें विनम्रता और ईश्वर के करीब रहना सिखाया। लेकिन अब, जब वह ट्रम्प समर्थक कट्टर दक्षिणपंथी राजनीति के केंद्र में हैं, तो वही उषा की आस्था कमजोरी के रूप में दिखाई जाने लगी है। यह बदलाव सिर्फ. व्यक्तिगत नहीं, बल्कि उस राजनीतिक दबाव का नतीजा है जहाँ हर नेता से उम्मीद की जाती है कि वह ईसाई पहचान को खुलकर प्रदर्शित करे।

दूसरी ओर, अमेरिका और भारत, दोनों जगह के हिंदू संगठनों ने वेंस के बयान को धार्मिक अहंकार बताया है। Hindu American Foundation (HAF) ने सीधा सवाल पूछा है कि जब वेंस अपनी पत्नी की आस्था से प्रेरित होकर खुद ईश्वर में लौटे, तो अब वह हिंदू धर्म को कमतर क्यों दिखा रहे हैं? संस्था ने यह भी याद दिलाया कि हिंदू धर्म में किसी को अपने धर्म में लाने की कोई आवश्यकता नहीं मानी जाती। हिंदू दर्शन बहुलता और सह-अस्तित्व पर टिका है-यह मानता है कि सत्य एक है, परंतु उसे पाने के कई मार्ग हैं। इसके विपरीत, वेंस का कहना है कि वह उम्मीद करते हैं कि उनकी पत्नी कभी ईसा को अपनाएँगी, इस विचारधारा के बिल्कुल खिलाफ है। देखा जाये तो असल समस्या यह नहीं कि वेंस ईसाई हैं; समस्या यह है कि उन्होंने अपनी पत्नी के विश्वास को कमतर दिखाकर अपनी धार्मिक श्रेष्ठता साबित करने की कोशिश की। यही बात हिंदू समुदाय के लिए अपमानजनक है।

वैसे जेडी वेंस का यह बयान अमेरिकी राजनीति के एक बड़े बदलाव का संकेत है, जहाँ आस्था अब निजी नहीं रही, बल्कि सार्वजनिक प्रदर्शन का विषय बन गई है। MAGA (Make America Great Again) आंदोलन के भीतर अब धर्म केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि पहचान और वोट का प्रतीक बन चुका है। वेंस का यह कहना कि ईसाई होना मतलब दूसरों के साथ अपने विश्वास को साझा करना इस मानसिकता को दिखाता है, जिसमें साझा करना दरअसल मनवाना बन गया है। ऐसी सोच में धार्मिक स्वतंत्रता की जगह धार्मिक श्रेष्ठता ले लेती है।

उषा वेंस अब तक सार्वजनिक रूप से बहुत कम बोलती हैं। लेकिन जो लोग उन्हें जानते हैं, वह कहते हैं कि वह एक शांत, दृढ़ और सहिष्णु व्यक्तित्व हैं। उन्होंने कभी अपने पति से यह नहीं कहा कि वह हिंदू बनें, न ही अपनी संस्कृति को छोड़ें। उनके जीवन में धर्म एक संतुलन और संवाद का माध्यम रहा है। इस पृष्ठभूमि में जेडी वेंस का बयान न केवल उनके प्रति अन्याय है, बल्कि उन लाखों अंतरधार्मिक परिवारों का भी अपमान है जो प्रेम और परस्पर सम्मान पर टिके हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं कि जब धर्म प्रचार बन जाए, तो प्रेम खो जाता है। जेडी वेंस की यह टिप्पणी यह दिखाती है कि राजनीतिक महत्वाकांक्षा कैसे व्यक्तिगत रिश्तों और धार्मिक संवेदनाओं को निगल जाती है। जो व्यक्ति कभी अपनी पत्नी के धर्म से प्रेरणा लेता था, आज उसी धर्म को अधूरा बताकर अपने वोटरों को खुश कर रहा है। यह घटना सिर्फ अमेरिका के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक चेतावनी है कि जब धर्म संवाद की जगह प्रचार का माध्यम बन जाता है, तो सत्य की जगह सत्ता ले लेती है। उषा वेंस की आस्था, उनकी शांति और उनका मौन, दरअसल उस हिंदू विचार की ताकत है जो बिना प्रचार के भी जीवित है। लेकिन जेडी वेंस की राजनीति हमें यह याद दिलाती है कि दुनिया में अभी भी ऐसे लोग हैं जिन्हें दूसरे की आस्था से ज्यादा अपनी पहचान की चिंता है। और यही वह जगह है जहाँ आस्था हार जाती है और राजनीति जीत जाती है। जेडी वेंस की टिप्पणी न केवल एक पत्नी के सम्मान का हनन है, बल्कि उन लाखों अंतरधार्मिक परिवारों के लिए भी अपमानजनक संदेश है, जो संवाद और सह-अस्तित्व पर विश्वास करते हैं।

बहरहाल, वेंस का यह राजनीतिक बपतिस्मा शायद उन्हें MAGA समर्थकों की तालियाँ दिला दे, लेकिन इससे उन्होंने उस अमेरिका की उस भावना को कमजोर किया है, जो विविधता और समानता पर टिकी है। अब भले वेंस विवाद पर तमाम तरह की सफाई देते रहें लेकिन इस पूरे प्रकरण का सबसे बड़ा सबक यही है कि धर्म का सार विश्वास में है, प्रचार में नहीं और जब आस्था राजनीति की सीढ़ी बन जाए, तो ईश्वर भी मौन हो जाता है।

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

उड़ने वाली कार देखने का सपना होगा सच

(एजेन्सी)।
टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने एक धमाकेदार खुलासा किया है। उनका दावा है कि वह साल के अंत से पहले एक उड़ने वाली कार के प्रोटोटाइप का लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने इसे इतिहास का सबसे अविस्मरणीय उत्पाद लॉन्च बताया है।

जो रोगन पॉडकास्ट में खुलासामस्क ने यह बड़ा खुलासा शुक्रवार को 'द जो रोगन एक्सपीरियंस' पॉडकास्ट में अपनी उपस्थिति के दौरान किया। बातचीत तब शुरू हुई जब रोगन ने टेस्ला की लंबे समय से अटकी दूसरी पीढ़ी की रोडस्टर कार के बारे में पूछा, जिसका लॉन्च लक्ष्य 2020 था।

रोडस्टर के सवाल का जवाब देने के बजाय, मस्क ने धीरे-धीरे चर्चा को अपनी नई और बड़ी महत्वाकांक्षा की ओर मोड़ दिया। मस्क ने कहा, 'हम प्रोटोटाइप के प्रदर्शन के करीब पहुंच रहे हैं। मैं एक बात की गारंटी दे सकता हूं कि यह उत्पाद डेमो अविस्मरणीय होगा।' रोगन ने जब उत्सुकता से पूछा कि यह अविस्मरणीय क्यों होगा, तो मस्क ने कहा, 'चाहे यह अच्छा हो या बुरा, यह अविस्मरणीय होगा।' मस्क ने इस तकनीक को 'पागलपन भरा' बताते हुए कहा कि अगर आप सभी जेम्स बॉन्ड कारों को मिलाकर देखें, तो यह उससे भी ज्यादा पागलपन भरा होगा। उड़नें वाली कार के विचार पर जोर देने के लिए, मस्क ने अपने दोस्त और उद्यमी पीटर थील का जिक्र किया। मस्क ने कहा, 'मेरे दोस्त पीटर थील ने एक बार कहा था कि भविष्य में उड़ने वाली कारें होंगी, लेकिन हमारे पास उड़ने वाली कारें नहीं हैं।' मस्क ने संकेत दिया, 'मुझे लगता है कि अगर पीटर उड़ने वाली कार चाहते हैं, तो हमें एक खरीदनी चाहिए,' जिससे यह साफ हो गया कि टेस्ला इस अवधारणा पर काम कर रही है। मस्क ने उम्मीद जताई कि वह 'साल के अंत से पहले' उड़ने वाली कार का प्रदर्शन कर पाएंगे। उन्होंने वाहन के डिजाइन (जैसे पंखों) के बारे में कोई भी विस्तार से जानकारी देने से इनकार कर दिया, यह कहते हुए कि वह 'अनावरण से पहले अनावरण नहीं कर सकते।' मस्क की इन टिप्पणियों ने दुनिया भर में उत्सुकता बढ़ा दी है कि टेस्ला का अगला 'सबसे यादगार उत्पाद अनावरण' क्या होगा।

लंदन ट्रेन में सामूहिक चाकूबाजी से दहशत

(एजेन्सी)।
ब्रिटेन में शनिवार शाम लंदन जा रही एक यात्री ट्रेन में सामूहिक चाकूबाजी की भयावह घटना सामने आई है, जिसमें 10 लोग घायल हो गए। पुलिस ने इस मामले में दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि घायलों में से नौ की चोटें जानलेवा हैं। यह घटना स्थानीय समयानुसार शाम 7:30 बजे के आस-पास पीटरबरो स्टेशन से लंदन किंग्स क्रॉस की ओर जा रही ट्रेन में हुई। इसमें कुल 10 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 9 की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह मार्ग डोनकास्टर से शुरू होता है और अक्सर यात्रियों से भरा रहता है। ट्रेन में मौजूद यात्रियों ने घटना के मंजर को बेहद डरावना बताया। एक गवाह ने बीबीसी को बताया कि उसने लोगों को चिल्लाते हुए सुना, 'भागो, भागो, एक आदमी सचमुच सबको चाकू मार रहा है।'

'द टाइम्स' से बात करते हुए एक अन्य यात्री ने कहा कि उसने एक आदमी को बड़े चाकू के साथ देखा। लोग अपनी जान बचाने के लिए शौचालयों में छिप गए। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि ट्रेन के डिब्बे में हर तरफ खून ही खून था। एक अन्य यात्री ने स्काई न्यूज को बताया कि एक घायल पीड़ित ट्रेन से उतरते समय कह रहा था, 'उनके पास एक चाकू है, मुझे चाकू मारा गया है।'

ब्रिटिश ट्रांसपोर्ट पुलिस ने पुष्टि की है कि दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस इस घटना के पीछे के मकसद और परिस्थितियों का पता लगाने के लिए तत्काल जाँच कर रही है। जांच में आतंकवाद-रोधी पुलिस भी सहयोग कर रही है। ब्रिटिश परिवहन पुलिस के मुख्य अधीक्षक क्रिस केसी ने कहा कि इस शुरूआती चरण में घटना के कारणों पर अटकलें लगाना उचित नहीं होगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने इस सामूहिक चाकूबाजी को भयावह घटना बताया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए घायलों के प्रति संवेदना व्यक्त की और आपातकालीन सेवाओं को उनकी त्वरित प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद दिया।

उत्तराखंड में अगले एक साल में 10-12 हजार सरकारी नौकरियां दी जाएंगी: मुख्यमंत्री धामी

(एजेन्सी)।
उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को कहा कि पिछले चार साल में प्रदेश में 26 हजार से अधिक सरकारी नौकरियां दी गई हैं और अगले एक साल में यह आंकड़ा 36 से 38 हजार तक पहुंच जाएगा। उत्तराखंड राज्य स्थापना के रजत जयंती समारोह की शुरूआत पर यहां एक संवाददाता सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पिछले चार साल में 26 हजार से अधिक सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। उन्होंने कहा, कुछ परीक्षाएं हो चुकी हैं, जिनका परीक्षाफल घोषित होना है। यह सब मिलाकर अगले एक साल के अंदर 10-12 हजार भर्तियां और की जाएंगी। धामी ने कहा कि नौ नवंबर को उत्तराखंड अपनी स्थापना के 25 साल पूरे कर रहा है और राज्य की उपलब्धियों के बारे में बताने का यह सबसे सही समय है। उन्होंने इस संबंध में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने वाला देश का पहला राज्य बनने, सशक्त भूमि कानून, जबरन धर्मांतरण विरोधी कानून, दंगा रोधी कानून, नकल विरोधी कानून, राज्य के लिए आंदोलन करने वालों को सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत तथा महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का जिक्र किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 2023 में हुए वैश्विक निवेशक सम्मेलन के बाद से अब तक एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर उतर चुका है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के लिए 200 करोड़ रुपये का वेंचर फंड बनाया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के गठन के बाद से अर्थव्यवस्था का आकार 26 गुना बढ़ा है और प्रति व्यक्ति आय में 17 गुना वृद्धि हुई है। इसके साथ ही 2025-26 में राज्य के इतिहास में पहली बार एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट पेश हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अंत्योदय योजना के तहत 1.85 लाख परिवारों को साल में तीन रसोई गैस सिलेंडर दिए जा रहे हैं, जबकि 1.65 लाख महिलाएं लखपति दीदी योजना से आत्मनिर्भर बनी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केदारनाथ भव्य और दिव्य रूप ले रहा है और एक साल के अंदर वहां सभी निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार बदरीनाथ में 300 करोड़ रुपये की धनराशि से मास्टर प्लान का काम हो रहा है, जबकि केदारनाथ और हेमकुंड जाने के लिए रोपवे का निर्माण भी शुरू होने वाला है। उन्होंने कहा कि कुमाऊं के 48 पौराणिक मंदिरों और गुरूद्वारों को एक सर्किट के रूप में जोड़कर उनके निर्माण को आगे बढ़ाया जा रहा है और दिल्ली-देहरादून एलीवेटेड रोड का काम भी अंतिम चरण में पहुंच गया है। इसके पूरा होने के बाद दोनों शहरों के बीच का सफर दो-ढाई घंटे का रह जाएगा। उन्होंने कहा कि ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का काम भी 70 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

विवाद से उभरकर सेमीफाइनल हीरो बनीं जेमिमा रोड्रिग्स

(एजेन्सी)।
भारतीय क्रिकेटर जेमिमा रोड्रिग्स ने गुरुवार को महिला वनडे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलकर एक ऐसी पारी खेली, जिसने उन्हें देशभर में सुर्खियों में ला दिया है। उन्होंने दबाव के बीच नाबाद 127 रनों की पारी खेली और भारत को इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल कर फाइनल तक पहुंचाया है। मगर महज एक साल पहले तक उनका सफर इतना आसान नहीं था।

बता दें कि अक्टूबर 2024 में जेमिमा एक विवाद में फंस गई थीं, जब उनके पिता इवान रोड्रिग्स द्वारा मुंबई के खार जिमखाना में धार्मिक आयोजनों का मामला सामने आने के बाद उनकी मानद सदस्यता रद्द कर दी गई थी। मौजूद जानकारी के अनुसार, इन आयोजनों में ब्रदर मैनुअल मिनिस्ट्रीज से जुड़े धार्मिक कार्यक्रम शामिल थे, जो जिमखाना के नियमों का उल्लंघन था। जिमखाना की नियमावली के तहत राजनीतिक या धार्मिक कार्यक्रमों की अनुमति नहीं होती है। क्लब की कार्यकारिणी समिति के सदस्य शिव मल्होत्रा ने इस घटना पर कहा था कि, "ये चौंकाने वाली बात थी कि हमारे क्लब के अंदर ऐसे आयोजन हो रहे थे। यह अन्य जगहों पर होता सुना था, मगर यहां देखना चिंताजनक था।" इसके बाद सदस्यता बैठक में मतदान के जरिए रोड्रिग्स की मानद सदस्यता निरस्त करने का फैसला लिया गया। क्लब के अध्यक्ष विवेक देवनानी ने बताया था कि यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया था।

उधर, मैदान पर वापसी करते हुए जेमिमा ने अपने करियर की सबसे यादगार पारी खेली। सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने 14 चौकों से सजी अपनी शतकीय पारी के बाद अपनी मानसिक स्थिति को लेकर भावुक खुलासा भी किया। "मैंने इस दौरे के दौरान लगभग हर दिन रोया है। मानसिक रूप से अच्छा नहीं कर पा रही थी और लगातार चिंता से जूझ रही थी," उन्होंने मैच के बाद कहा।

गौरतलब है कि जेमिमा ने इस पारी के साथ न सिर्फ भारत को फाइनल में पहुंचाया, बल्कि यह भी साबित किया कि असफलता और आलोचना के दौर से निकलकर भी कोई खिलाड़ी अपने खेल से नई कहानी लिख सकता है। अब वो रविवार को होने वाले फाइनल में देश को पहली महिला वनडे विश्वकप ट्रॉफी दिलाने के इरादे से उतरेंगी।

अभिनेता पंकज त्रिपाठी की माँ हेमवंती देवी का निधन

(एजेन्सी)। बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी की माँ हेमवंती देवी का शुक्रवार को बिहार के गोपालगंज ज़िले के बेलसंड स्थित उनके पैतृक आवास पर निधन हो गया। वह 89 वर्ष की थीं और कथित तौर पर कुछ समय से बीमार थीं। परिवार के अनुसार, उन्होंने घर पर ही अंतिम सांस ली। पंकज त्रिपाठी अपनी माँ के अंतिम क्षणों में उनके साथ मौजूद थे। शनिवार को बेलसंड में परिवार के सदस्यों और करीबी रिश्तेदारों की मौजूदगी में उनका अंतिम संस्कार किया गया। परिवार ने मीडिया और शुभचिंतकों से इस दुख की घड़ी में उनकी निजता का सम्मान करने का अनुरोध किया है। बता दें कि अभिनेता के पिता पंडित बनारस तिवारी का 2023 में 99 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। पंकज त्रिपाठी अपनी माँ के बेहद करीब थे। वह अक्सर कहते थे कि उनकी माँ ने उन्हें अनुशासन, विनम्रता और दयालुता सिखाई। गोपालगंज के एक किसान परिवार से आने वाले पंकज ने हमेशा अपनी सादगी और जड़ों को महत्व दिया। बॉलीवुड में अपनी सफलता के बावजूद, वह अपने गाँव और माता-पिता से गहराई से जुड़े रहे और कई बार अपने माता-पिता के प्रति अपनी प्रशंसा को खुलकर व्यक्त किया है। प्रशंसकों और फिल्म उद्योग के सदस्यों ने सोशल मीडिया पर पंकज और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है, साथ ही उनकी माँ के लिए प्रार्थना भी की है। वर्कफ्रंट की बात करें तो पंकज त्रिपाठी जुलाई में फिल्म मेट्रो में नजर आए थे।

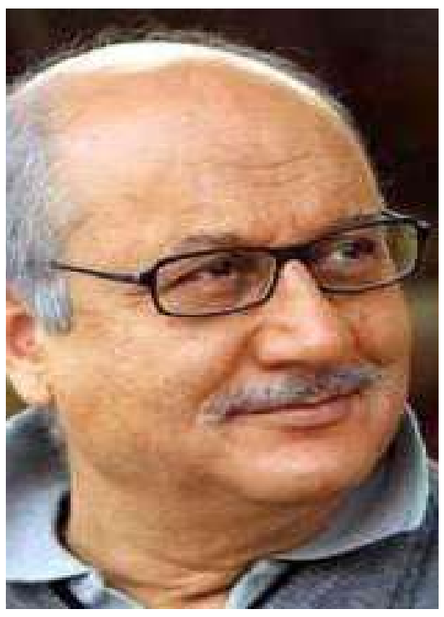

अनुपम खेर ने अपनी 549वीं फिल्म की शूटिंग शुरू की

मुंबई। बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी आने वाली 549वीं फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। अनुपम खेर फिल्मकार सूरज बड़जात्या के साथ काम कर रहे हैं। अनुपम खेर ने फिल्म की शुरूआत करते हुए अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में उन्होंने सूरज बड़जात्या को अयोध्या से लाया हुआ शॉल भेंट किया है। अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, मेरी 549वीं फिल्म की अनाउंसमेंट।मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मेरी 549वीं फिल्म सिर्फ और सिर्फ सूरज बड़जात्या के साथ शुरू हुई, उन्हें अयोध्या से मिला शुभ शॉल भेंट किया। सूरज मेरी पहली फिल्म ह्यसारांशह्य में महेश भट्ट साहब के पांचवें असिस्टेंट थे। उनके साथ यह एक लंबा, सुखद, अद्भुत और रचनात्मक रूप से आनंददायक सफर रहा है। दरअसल, मैं इतने सालों से राजश्री फिल्म और उनके परिवार का अभिन्न अंग रहा हूं।

दिलों के सच्चे बादशाह शाहरुख खान के जन्मदिन पर उमड़ा बॉलीवुड का प्यार

कई स्टार्स ने दी बधाई

नई दिल्ली। बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान रविवार को अपना 60वां जन्मदिन मना रहे हैं। देर रात से ही उनके घर मन्नत के बाहर फैंस जमा हैं और उनकी एक झलक देखने का इंतजार कर रहे हैं।हालांकि, इस बार शाहरुख बालकनी पर आकर फैंस को अपनी झलक नहीं दिखा सके, क्योंकि घर में कंस्ट्रक्शन का काम काफी समय से चल रहा है। फैंस के अलावा बॉलीवुड सेलेब्स ने भी एसआरके को जन्मदिन की बधाई देनी शुरू कर दी है।फिल्म बाजीगरमें शाहरुख खान के साथ काम करने वालीं एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने शाहरुख खान को जन्मदिन की बधाई दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर शाहरुख खान और अपनी पुरानी फोटो पोस्ट कर लिखा, दिलों के सच्चे बादशाह और मेरे पहले हीरो शाहरुख खान को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। पीढ़ी को रोमांस की असली कला सिखाने के लिए धन्यवाद, आपके उत्तम स्वास्थ्य, खुशी, प्यार और सफलता की कामना करती हूं। लव यू, बाजीगर ओ बाजीगर।फिल्म डायरेक्टर और कोरियोग्राफर फराह खान ने सोशल मीडिया पर शाहरुख को किस करते हुए फोटो पोस्ट की है। उन्होंने लिखा, जन्मदिन मुबारक हो, किंग शाहरुख खान, अगले 100 साल तक राज करो। इसके साथ ही वामिका गाबी ने भी शाहरुख खान को जन्मदिन की बधाई दी है।

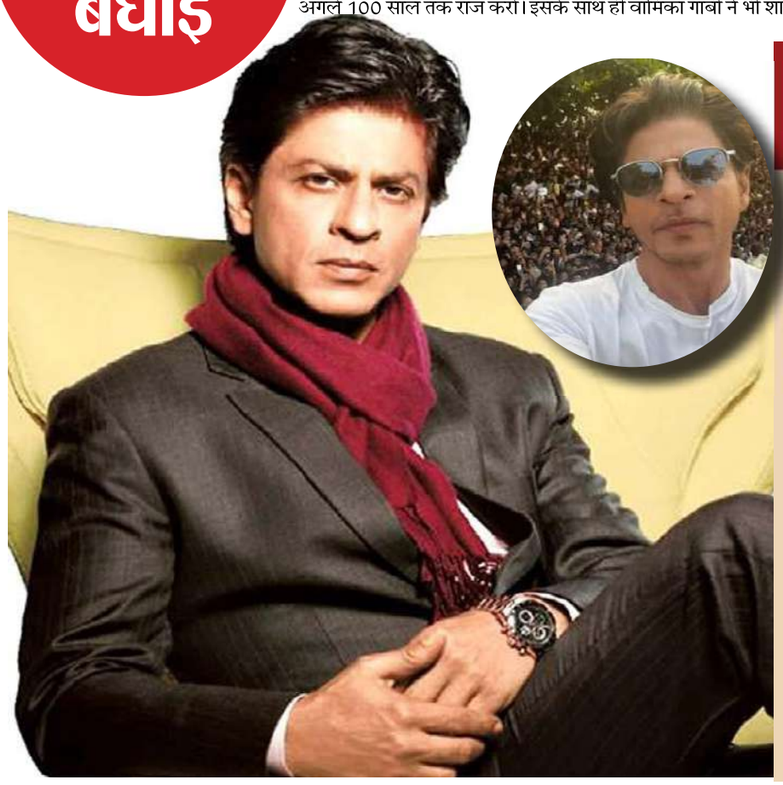

शाहरुख खान के जन्मदिन पर मन्नत के बाहर दुनियाभर से पहुंचे फैंस

मुंबई। शाहरुख खान भले ही 60 पार कर गए हों, लेकिन उनके आकर्षण, ऊर्जा और दीवानगी में जरा भी कमी नहीं आई। मुंबई की रात जैसे सिर्फ एक नाम किंग खानसे जगमगा उठी। उनके चाहने वालों के लिए यह कोई आम दिन नहीं है, बल्कि एक ऐसा जश्न, जो किसी त्योहार से कम नहीं लगा।

जैसे ही घड़ी ने 12 बजाए, मुंबई के बैंडस्टैंड पर समंदर की लहरों जैसी भीड़ उमड़ पड़ी। जापान, दुबई, मिस्र, जर्मनी और भारत के कोने-कोने से आए प्रशंसकों ने मन्नत के बाहर अपनी मौजूदगी से माहौल को जश्न में बदल दिया। हाथों में डीडीएलजे, पठान, जवान और दिल से के पोस्टर, झंडे और लाइट बोर्ड लिए फैंस बार-बार एक ही नाम पुकार रहे थे, शाहरुख, शाहरुख!

सोशल मीडिया पर मन्नत के बाहर के वीडियो लगातार वायरल हो रहे हैं, जिनमें हजारों फैंस हैप्पी बर्थडे किंग खान के नारे लगाते, डांस करते और एक झलक पाने की उम्मीद में आसमान की ओर कैमरे उठाए दिख रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए मन्नत के बाहर सुरक्षा काफी बढ़ा दी गई है ताकि भीड़ को संभाला जा सके।

जन्मदिन जो बन गया परंपरा

हर साल की तरह इस बार भी शाहरुख का जन्मदिन किसी ग्लोबल इवेंट से कम नहीं रहा। देश-विदेश से आए फैंस ने पूरे दिन शाहरुख के पोस्टर लगाए, केक काटे, फिल्में चलाईं और उनके डायलॉग्स को दोहराया। कुछ फैंस ने तो खास तौर पर ह्यबार-बार दिन ये आए गाकर अपने सुपरस्टार को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

मां की आखिरी इच्छा पूरी नहीं कर सका: अरशद वारसी

मुंबई। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी अपनी निजी ज़िंदगी का एक ऐसा दर्द साझा किया जिसने सबको भावुक कर दिया। अभिनेता को अपनी बीमार मां की अंतिम इच्छा पूरी नहीं करने का आज भी अफसोस है। एक इंटरव्यू में अरशद वारसी ने यह भावूक करने देने वाला वाक्या बताया कि उन्होंने महज 14 साल की उम्र में अपने दोनों माता-पिता को खो दिया था। उन्होंने कहा कि वह बोर्डिंग स्कूल में पढ़ते थे, इसलिए अपने परिवार के साथ बहुत ज्यादा समय नहीं बिता पाए। उन्होंने अपनी मां के आखिरी दिनों की यादें साझा करते हुए कहा कि वह आज भी उस पल को भूल नहीं पाए हैं। अभिनेता ने बताया कि उनकी मां की किडनी खराब हो गई थी और वे डायलिसिस पर थीं। डॉक्टरों ने सख्त हिदायत दी थी कि उन्हें पानी नहीं देना चाहिए। लेकिन निधन से एक रात पहले उनकी मां ने बार-बार पानी मांगा था। अरशद ने कहा, ह्लमैंने डॉक्टरों की बात मानते हुए उन्हें पानी नहीं दिया। उसी रात उनका निधन हो गया। आज भी मुझे यह सोचकर अपराधबोध होता है कि शायद अगर मैंने उन्हें पानी दे दिया होता, तो वे सुकून से चली जातीं। उन्होंने आगे कहा कि उस वक्त वे केवल एक बच्चे थे, लेकिन आज अगर ऐसी स्थिति होती तो वे अलग निर्णय लेते। उनके मुताबिक, ह्लहम अक्सर बीमार व्यक्ति की भावनाओं से ज्यादा अपने अपराधबोध के आधार पर फैसले लेते हैं। उस दिन मैंने डॉक्टर की बात तो मानी, लेकिन शायद अपनी मां की आखिरी इच्छा पूरी नहीं कर सका। अरशद वारसी का यह बयान सुनकर उनके प्रशंसक भावुक हो उठे। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने लिखा कि मां और बेटे के रिश्ते की यह कहानी इंसानियत और संवेदना की गहराई को बयां करती है। अरशद ने अपने जीवन के इस दर्दनाक अनुभव को साझा कर यह दिखाया कि सफलता और प्रसिद्धि के पीछे भी एक संवेदनशील इंसान छिपा होता है, जो आज भी अपनी मां की आखिरी याद में डूबा हुआ है। मालूम हो कि अरशद वारसी अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं।

मैं जो हूं, आपकी वजह से हूं, बर्थडे पर माता-पिता को याद कर इमोशनल हुई ईशा देओल

मुंबई,। बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा ईशा देओल इन दिनों अपने जन्मदिन की खुशी में डूबी हैं। रविवार को वे अपना 44वां जन्मदिन बड़े प्यार भरे अंदाज से मना रही है।खास बात ये है कि इस मौके पर उन्होंने अपने लिए नहीं, बल्कि अपने माता-पिता धर्मेंद्र और हेमा मालिनी के लिए दिल की बातें लिखीं। अपने पोस्ट में ईशा ने इस दिन को उनके नाम किया और कहा, मैं जो भी हूं, आप दोनों की वजह से हूं। इस पर मनीषा कोइराला ने बेहद खूबसूरत कमेंट किया।ईशा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बचपन की एक प्यारी सी पुरानी तस्वीर साझा की। इस थ्रोबैक फोटो में छोटी सी ईशा अपने मां-पापा के साथ नजर आ रही हैं। धर्मेंद्र और हेमा मालिनी अपनी नन्ही बिटिया को बेहद प्यार से देख रहे हैं, जबकि छोटी ईशा कैमरे की ओर देखकर मुस्कुरा रही हैं।इस फोटो के साथ ईशा ने अपने माता-पिता के लिए एक दिल को छू लेने वाला संदेश भी लिखा। उन्होंने कहा, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं, पापा और मम्मा। इसके साथ उन्होंने किस, रेड हार्ट, बुरी नजर और गले लगाने वाले इमोजी का भी इस्तेमाल किया।अपने माता-पिता को धन्यवाद देने के साथ-साथ ईशा ने अपने चाहने वालों का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने सभी को उनके जन्मदिन की शुभकामनाओं और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद कहा। उन्होंने लिखा, आप सभी के प्यार के लिए शुक्रिया। खुश रहिए, स्वस्थ रहिए और मजबूत रहिए।ईशा की इस पोस्ट पर कई हस्तियों ने प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने कमेंट करते हुए लिखा, प्यारा, और साथ में कई दिल वाले इमोजी लगाए। इसके अलावा, कई फैंस ने भी उन्हें बर्थडे विश किया और इमोजी भी भेजे।

सोहा अली खान और नेहा धूपिया ने परिवार के साथ हेलोवीन मनाया

मुंबईपश्चिमी संस्कृति का लोकप्रिय पर्व हेलोविन धीरे-धीरे अब भारत में देखने को मिल रहा है। खास तौर पर इसका असर बॉलीवुड में देखने को मिलता है। शनिवार को अभिनेत्री सोहा अली खान और नेहा धूपिया ने इसकी झलक सोशल मीडिया पर शेयर की।पश्चिमी देशों में 31 अक्टूबर को हेलोवीन फेस्टिवल मनाया जाता है। इसे फॉलो करते हुए अभिनेत्री सोहा अली खान ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वे अपनी बेटी और पति के साथ नजर आ रही हैं।सोहा ने कैप्शन लिखा, यह हमारा हेलोवीन का ग्रुप है। स्टार, थोड़ी घबराई हुई मां और सुपर पावरफुल डैड। जल्द ही वर्ल्ड टूर पर निकलेंगे।अभिनेत्री नेहा धूपिया भी पीछे नहीं रहीं। उन्होंने पति अंगद बेदी और बच्चों के साथ हेलोवीन का वीडियो शेयर किया और कैप्शन में लिखा, 1, 2, 3 चलो हेलोवीन।ह्लसोहा अली खान अब भले ही सिल्वर स्क्रीन पर नजर नहीं आतीं, लेकिन वे इन दिनों नए पॉडकास्ट को लेकर व्यस्त हैं, जिसका नाम ऑल अबाउट हर है। वहीं, नेहा धूपिया की बात करें तो वे भी कई शोज होस्ट करती हैं और वे पिछली बार बैड न्यूज में नजर आई थीं।हेलोवीन मुख्य रूप से 31 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह पर्व करीब 2000 साल पुरानी सेल्टिक परंपरा से जुड़ा है।

मानना था कि 31 अक्टूबर की रात मृतकों की आत्माएं पृथ्वी पर लौटती हैं और अच्छी आत्माएं तो परिवार से मिलती थीं, लेकिन बुरी आत्माएं परेशान करती थीं।वहीं, उस दौर में लोग बुरी आत्माओं से बचने के लिए अलाव जलाते, और पशु की खाल व भयानक मुखौटे पहनते थे। यहीं से इस पर्व की शुरूआत हुई और धीरे-धीरे यह हर जगह मशहूर हो गया है।भारत में भले ही हेलोवीन पारंपरिक न हो, लेकिन बॉलीवुड सितारे इसे अपने अंदाज में मनाते हैं।

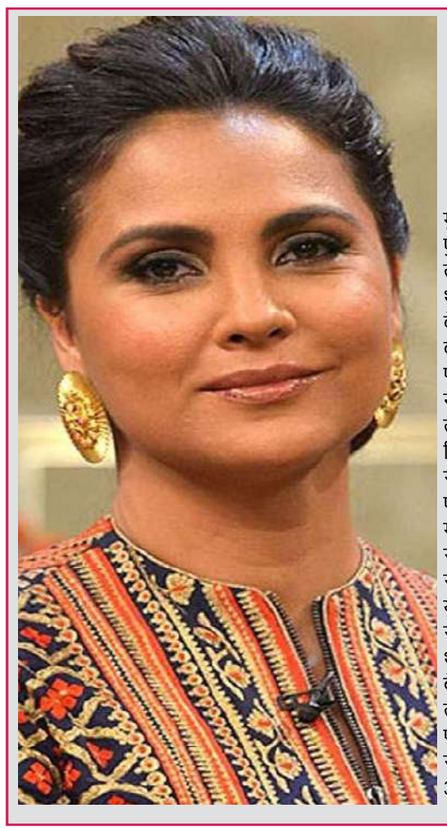

लारा दत्ता ने बताई माता-पिता की 57 साल पुरानी प्रेम कहानी

मुंबई। अभिनेत्री लारा दत्ता ने शनिवार को सोशल मीडिया के जरिए अपने माता-पिता की पहली मुलाकात और उनके संघर्षपूर्ण जीवन की प्रेरणादायक कहानी बताई। लारा ने अपने माता-पिता की एक पुरानी तस्वीर पोस्ट की और उनकी पहली मुलाकात प्यार और फिर शादी का किस्सा बताया।पोस्ट की गई तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, मेरे माता-पिता की शादी को 57 साल पूरे हो गए हैं। वे दोनों तब मिले थे, जब मेरे पिता एक अधिकारी की पोस्ट पर कुछ समय के लिए चेन्नई (तब मद्रास) के एयरफोर्स बेस पर तैनात थे और मेरी मां उन दिनों एक आर्ट गैलरी में काम करती थीं। उस दौरान मेरी मम्मी को पिताजी जी के लिए एक पार्सल डिलीवरी करने के लिए कहा गया था।अभिनेत्री ने बताया कि उनके माता-पिता ने लगभग छह महीने तक मिलने-जुलने के बाद शादी कर ली। उन्होंने लिखा, दोनों ने पहले मद्रास में एक ईसाई रीति से शादी की, फिर वे ट्रेन से जालंधर पहुंचे, जहां पिताजी के परिवार की मौजूदगी में हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार दोबारा विवाह संपन्न हुआ।अभिनेत्री ने माता-पिता के संघर्ष को बयां करते हुए बताया, जब पिताजी युद्ध पर गए थे तो मां ने पूरे घर की जिम्मेदारी संभाली थी। जब पिताजी को दिल का दौरा पड़ा था तो मां एक महीने तक रोजाना हिंडन एयरफोर्स बेस से दिल्ली के आर्मी अस्पताल बस से जाती थीं ताकि पिता के साथ रह सकें और जब पिताजी 41 साल की उम्र में एयरफोर्स से रिटायर होकर अपने पैरों पर दोबारा खड़े होने की कोशिश कर रहे थे, तब मां ने नौकरी की और उनकी छोटी सी तनख्वाह से ही परिवार चला।बता दें कि अभिनेत्री के पिता, विंग कमांडर एल.के. दत्ता का निधन साल 2018 में 84 वर्ष की आयु में हो गया था।

पोस्ट की गई तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, मेरे माता-पिता की शादी को 57 साल पूरे हो गए हैं। वे दोनों तब मिले थे, जब मेरे पिता एक अधिकारी की पोस्ट पर कुछ समय के लिए चेन्नई (तब मद्रास) के एयरफोर्स बेस पर तैनात थे और मेरी मां उन दिनों एक आर्ट गैलरी में काम करती थीं।

सार समाचार

कश्मीर व भारत के लिए दौड़ रहे लोगों का बेहद खूबसूरत नजारा : शेट्टी

श्रीनगर। बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने रविवार को कश्मीर मैराथन 2.0 में भाग लेते हुए कहा कि लोग कश्मीर और भारत के लिए दौड़ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह बहुत सुंदर दृश्य है। अभिनेता ने इस अवसर पर प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा,ह सचमुच एक मार्मिक क्षण है कि सभी उम्र के लोग एक ही उद्देश्य के लिए दौड़ रहे हैं। मैं इस आयोजन के दूसरे संस्करण का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूँ और हर साल यहाँ आने की कोशिश करूँगा।सुनील शेट्टी ने मीडिया से बात करते हुए कहा,ह्लघाटी में पर्यटन के पुनरुद्धार का यह दृश्य बहुत उत्साहजनक है। मैं कल पहुंचा, डल झील और कई अन्य स्थानों का दौरा किया। मुझे लगा कि जो सन्नाटा था वह अब खत्म हो रहा है, और कश्मीर एक बार फिर अपनी खूबसूरती के साथ लौट रहा है। मुझे यकीन है कि यह सर्दी कश्मीर के लिए एक अद्भुत मौसम साबित होगी ह्ल उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से कश्मीर वैश्विक ध्यान आकर्षित करेगा। उन्होंने कहा कि फरवरी में विंटर इवेंट्स होंगे और जल्द ही क्रिस गेल जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी क्रिकेट टूनार्मेंट के लिए कश्मीर आएंगे। इसका मतलब है कि हमने बड़ी वापसी की है।बॉलीवुड और घाटी के बीच संबंध के बारे में बात करते हुए सुनील शेट्टी ने कहा, मेरे कई निमार्ता मित्र यहां फिल्में बनाने के इच्छुक हैं। मुझे लगता है कि इस साल यहां कुछ बड़ी फिल्मों की शूटिंग होगी। कश्मीर के लिए कुछ करना हम सबकी जिम्मेदारी है, क्योंकि आखिरकार यह हमारी धरती है, सबसे खूबसूरत जगह है। उन्होंने कहा कि इस मैराथन में 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय एथलीट भाग ले रहे हैं और 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का उत्साह भी देखने लायक है। उन्होंने कहा, मैं खुद 65 साल से ज्यादा उम्र का हूँ, लेकिन इन बुजुर्गों की ऊर्जा देखकर मैं दंग रह गया। उम्मीद है कि जिस तरह पिछले साल पर्यटन 90 प्रतिशत तक पहुँच गया था, उसी तरह इस साल भी कश्मीर में पर्यटन गतिविधियाँ अपने चरम पर होंगी। सुनील शेट्टी ने यह भी कहा,ह्लमैं सभी से अपील करता हूं कि वे कश्मीर आएं, इसे अपना बनाएं और इसकी खूबसूरती का स्वयं अनुभव करें। यह सिर्फ एक जगह नहीं, बल्कि धरती पर स्वर्ग है।

सिंगल सलमा को सीमित स्क्रीन मिलने से हुमा कुरैशी का टूटा दिल, समान अवसर की उठाई मांग

मुंबई। भारत का फिल्म उद्योग काफी बड़ा है। यहां हर हफ्ते कई भाषाओं में नई फिल्में रिलीज होती हैं। कुछ फिल्में बड़े बजट और मशहूर सितारों के साथ आती हैं। कुछ छोटी और कहानी प्रधान फिल्में सीमित संसाधनों के साथ बनाई जाती हैं। इन छोटी फिल्मों की सबसे बड़ी चुनौती होती है, थिएटर में जगह मिलना। बड़े प्रोडक्शन हाउस और स्टार से सजी फिल्मों के बीच, इन फिल्मों को अक्सर सीमित स्क्रीन और कम शो टाइम मिलते हैं। यही वजह है कि कई बार अच्छी कहानी होने के बावजूद, ये फिल्में दर्शकों तक नहीं पहुंच पातीं। हाल ही में अभिनेत्री और निमार्ता हुमा कुरैशी ने इसी मुद्दे पर अपनी आवाज उठाई, जब उनकी फिल्म ह्यसिंगल सलमाह्ल को देशभर में बहुत सीमित स्क्रीन पर रिलीज किया गया।हुमा कुरैशी ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी फिल्म को पर्याप्त थिएटर नहीं मिल पाए। उन्होंने लिखा, सिंगल सलमा जैसी फिल्मों में न तो बड़े स्टार होते हैं, न ही करोड़ों रुपए का मार्केटिंग बजट। ऐसी स्थिति में इन फिल्मों को थिएटरों में अपनी जगह बनाना और दर्शकों तक पहुंचना बेहद मुश्किल हो जाता है। आज भी सिस्टम उन फिल्मों को प्राथमिकता देता है जो पहले से ही सुरक्षित मानी जाती हैं, यानी बड़ी बजट और स्टार वाली फिल्में। इंडस्ट्री को एक संतुलित व्यवस्था की जरूरत है, जहां हर फिल्म, चाहे छोटी हो या बड़ी, उसे समान अवसर मिले।हुमा की इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर बड़ी चर्चा शुरू कर दी। देश के कई शहरों जैसे लखनऊ, पटना, दिल्ली और कोलकाता के फैंस ने उनकी बात का समर्थन किया। लोगों ने थिएटर मालिकों से अपील की कि सिंगल सलमा के शो बढ़ाए जाएं ताकि ज्यादा दर्शक इसे देख सकें।कई दर्शकों ने अपने टिकट बुकिंग ऐप्स के स्क्रीनशॉट शेयर किए, जिनमें दिख रहा है कि फिल्म के शो या तो हाउसफुल हैं या उपलब्ध ही नहीं। इससे साफ है कि लोग फिल्म देखना चाहते हैं, लेकिन स्क्रीन की कमी के कारण मौका नहीं मिल पा रहा।हुमा के बयान ने फिल्म इंडस्ट्री के भीतर भी एक अहम चर्चा को जन्म दिया है। कई लोग मानते हैं कि थिएटरों में फिल्मों के वितरण को लेकर एक संतुलित और न्यायपूर्ण सिस्टम की सख्त जरूरत है। बड़ी फिल्मों को तो हमेशा पर्याप्त जगह मिल जाती है, लेकिन छोटी फिल्मों के लिए स्क्रीन मिलना किसी चुनौती से कम नहीं होता।अगर वितरण प्रक्रिया में सुधार हो जाए, तो कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा को भी आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। इससे न सिर्फ नए कलाकारों और निर्देशकों को फायदा होगा, बल्कि दर्शकों को भी अलग-अलग और बेहतर कहानियां देखने को मिलेंगी।

सतीश को संगीत और पुराने गाने बहुत पसंद थे, दीप्ति नवल ने सुनाए अभिनेता से जुड़े किस्से

मुंबई। भारतीय सिनेमा और टेलीविजन की दुनिया में कई कलाकार ऐसे होते हैं, जिनकी अदाकारी और उनकी मौजूदगी लोगों के दिलों में हमेशा याद रहती है। उनमें से एक नाम था सतीश शाह का, जिनकी नाटकीय प्रतिभा और हास्य क्षमता ने उन्हें दर्शकों का खास बना दिया।लंबे समय तक मनोरंजन की दुनिया में सक्रिय रहने वाले सतीश शाह ने फिल्मों, टीवी शो और रंगमंच में अपना अद्वितीय योगदान दिया। उनके जाने से फिल्म और टेलीविजन जगत में एक खालीपन है। उनकी पुरानी सहयोगी और मशहूर अभिनेत्री दीप्ति नवल ने सोशल मीडिया पर सतीश शाह के साथ बिताए खास पलों को साझा किया है।उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर अपने प्रिय दोस्त को अलविदा कहा है। दीप्ति नवल ने बताया कि उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि सतीश शाह किसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे थे।दीप्ति नवल ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, हमारे बेहद प्यारे दोस्त सतीश शाह को अलविदा कह रही हूं, जिनके साथ मैंने ह्यसाथ-साथ में काम किया था। मुझे उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मुझे आश्चर्य हुआ जब उन्होंने मुझे बताया कि उन्होंने फिल्मों से संन्यास ले लिया है। वह एक बेहतरीन अभिनेता थे, जिन्हें हर कोई पसंद करता था।उन्होंने अपने पोस्ट में आगे लिखा, ह्लसतीश को संगीत और पुराने गाने बहुत पसंद थे। अक्सर वह मुझे व्हाट्सएप पर गाने शेयर करते थे, लेकिन हाल ही में हमारा संपर्क टूट गया था। मेरा पहला अभिनय अनुभव सतीश के साथ ही रहा।उन्होंने सतीश शाह की पत्नी मधु शाह के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, मधु के प्रति मेरी संवेदनाएं, सतीश जी की आत्मा को शांति मिले।दीप्ति ने अपनी पोस्ट में फिल्म साथ-साथ का जिक्र किया है, जो 1982 में रिलीज हुई थी। इसे रमन कुमार ने लिखा और निर्देशित किया था, वहीं दिलीप धवन ने इसका निर्माण किया। इस फिल्म में फारूक शेख और दीप्ति नवल मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि सतीश शाह और अन्य कलाकारों ने सहायक भूमिकाएं निभाई हैं। यह फिल्म समाज, परिवार और व्यक्तिगत मूल्यों के संघर्ष की कहानी पेश करती है।फिल्म की कहानी अविनाश वर्मा नामक एक युवक के बारे में है, जो समाजवादी विचारों का पालन करता है और भौतिक सुख-सुविधाओं में ज्यादा रुचि नहीं रखता। वह एक अमीर जमींदार का बेटा होने के बावजूद अपने सिद्धांतों के कारण घर छोड़ देता है और स्वतंत्र लेखक बन जाता है।उसकी सहपाठी गीतांजलि गुप्ता, जिसे लोग गीता कहकर बुलाते हैं, उसके विचारों से प्रभावित होकर उससे प्यार करने लगती है। दोनों विवाह कर लेते हैं और जल्द ही बच्चे की उम्मीद करते हैं। आर्थिक कठिनाइयों के चलते उसे अपने सहपाठी सतीश शाह की प्रकाशन कंपनी में काम करना पड़ता है। रात की नौकरी के कारण दोनों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो जाता है। वहीं, अविनाश अपने आदर्शों से समझौता करने लगता है। इन सबसे परेशान गीता उसे छोड़ने का फैसला करती है।फिल्म का क्लाइमैक्स काफी दिलचस्प है। फिल्म में जावेद अख्तर द्वारा लिखे गए गीत और कुलदीप सिंह का संगीत कहानी को भावनात्मक रूप से मजबूत बनाते हैं। इसमें जगजीत सिंह, चित्रा सिंह और अन्य कलाकारों की शानदार आवाज शामिल हैं।

रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच मनाया गया हरियाणा दिवस का जिला स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव कार्यक्रम

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर बढ़ रहा: विधायक भगवानदास कबीरपंथी

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा दिवस के मौके पर करनाल के कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज के सभागार में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ जिला स्तरीय सांस्कृति उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें नीलोखेड़ी के विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया।

इस मौके पर उन्होंने पिछले 59 सालों में हरियाणा की प्रगति के मुख्य पहलुओं पर प्रकाश डाला और कहा कि कई क्षेत्रों में प्रदेश ने इस अवधि में विकास के नए आयाम छुए हैं। साथ ही उम्मीद जताई कि भविष्य में हरियाणा विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान बनाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा निरंतर विकास के पथ पर बढ़ रहा है। इस मौके पर स्कूली विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह से राज्यपाल असीम कुमार घोष का लाइव संबोधन भी इस अवसर पर सुनाया गया। उत्सव के मुख्य अतिथि विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने लोगों को हरियाणा दिवस की बधाई व शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पिछले करीब छह दशकों में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रदेश गठन के समय दक्षिणी हरियाणा में सिंचाई के लिए पानी की भारी कमी थी। उस वक्त बिजली की आपूर्ति भी नाममात्र की थी लेकिन आज प्रदेश में लोगों को 24 घंटे बिजली दी जा रही है। प्रदेश का बजट एक लाख करोड़ से ज्यादा पहुंच गया है। हर 20 किमी की दूरी पर सरकारी कॉलेजों की स्थापना की जा रही है। नए मॉडल संस्कृति स्कूल बनाए गए हैं। स्कूलों में बुनियादी ढांचे को मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में भी प्रदेश ने काफी तरक्की की है। हर जिला में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जा रही है। सरकारी अस्पतालों में रोगियों के लिए अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। बड़ी कंपनियों की स्थापना से गुरुग्राम और फरीदाबाद ने विशिष्ट पहचान कायम की है। औद्योगिक इकाइयों की स्थापना से जहां बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिला है वहीं प्रदेश के राजस्व में भी वृद्धि हुई है। विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं में अब शिक्षित प्रतिनिधि चुने जा रहे हैं। सरकार ने अनेक सेवाओं को ऑनलाइन किया है जिसके कारण लोगों को घर बैठे सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। आज से ऑनलाइन रजिस्ट्री भी आरंभ हो गई है।

इस दौरान छात्रों ने अलग-अलग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित भी किया।

प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहे: रंगोली-राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल इंद्री प्रथम, राजकीय कन्या मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल रेलवे रोड करनाल द्वितीय और राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल मॉडल टाउन तृतीय।

चित्रकला-कन्या मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल रेलवे रोड करनाल की करीना प्रथम, पीएम श्री सीनियर सेकेंडरी स्कूल ओगंद की कोमल द्वितीय और राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय काछवा के कर्ण तृतीय रहे।

रागनी-पीएम श्री वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय इंद्री प्रथम, राजकीय कन्या मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल रेलवे रोड करनाल द्वितीय और राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल निसिंग तृतीय।

तुलसी विवाह एवं देव उठनी एकादशी पर्व धूमधाम से मनाया

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। नगर के वार्ड 10 स्थित राधा कृष्ण मन्दिर में हर साल की तरह इस वर्ष कार्तिक माह की कथा का आयोजन किया जा रहा है। मन्दिर के पुजारी पं गोपाल शर्मा व भारत भूषण शर्मा द्वारा इस कथा का आयोजन किया जा रहा है। आज देव उठनी एकादशी पर्व व तुलसी विवाह धूमधाम से मनाया गया। यह विवाह हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष में एकादशी से पूर्णिमा के बीच मनाया जाता है, जो भगवान विष्णु और तुलसी के मिलन का प्रतीक है। पं गोपाल कृष्ण नें कहा कि तुलसी विवाह का इतिहास पौराणिक कथाओं पर आधारित है, जिसमें बताया गया है कि देवी वृंदा नामक एक स्त्री जालंधर नामक राक्षस की पत्नी थी। वह भगवान विष्णु की परम भक्त थी।

जालंधर ने आतंक मचा रखा था, जिससे देवताओं को बहुत परेशानी हो रही थी। अंततः देवताओं ने भगवान विष्णु से मदद मांगी। जालंधर को हराने के लिए, भगवान विष्णु ने छल से जालंधर का रूप धारण किया और वृंदा के पास गए। जब वृंदा ने अपने पति को पहचाना तो पूजा से उठ गईं, जिससे उनका पतिव्रत टूट गया। इस कारण जालंधर की सभी शक्तियां समाप्त हो गईं और भगवान शिव ने उसका सिर धड़ से अलग कर दिया। जब वृंदा को छल का पता चला तो वह क्रोधित हुईं और उन्होंने भगवान विष्णु को काला पत्थर बन जाने का श्राप दिया। वृंदा ने अपने शरीर का त्याग कर दिया, और उनकी राख से तुलसी का पौधा उत्पन्न हुआ। भगवान विष्णु, वृंदा की भक्ति से प्रसन्न होकर, अपने श्राप से मुक्त होने के लिए शालिग्राम पत्थर के रूप में अवतार लिया।

भगवान विष्णु ने शालिग्राम रूप में तुलसी के पौधे से विवाह किया। इस विवाह की परंपरा आज भी तुलसी विवाह के रूप में मनाई जाती है। पं गोपाल शर्मा नें कहा कि तुलसी विवाह कराने से कन्या के विवाह का पुण्य मिलता है। श्रद्धालु तकरीबन एक माह से कार्तिक कथा का श्रवण करते आ रहे हैं। आज तुलसी व भगवान विष्णु के प्रतीक शालिग्राम का विवाह धूमधाम से करवाया गया। मंडप बना कर तुलसी के पौधे को सजाया गया। भगवान विष्णु स्वरूप शालिग्राम के साथ बैठाये गए। हल्दी, कुमकुम, फूल और चूड़ियाँ अर्पित की गयी। पंडित जी नें विवाह मन्त्रों के साथ तुलसी शालिग्राम की परिक्रमा करवाई। पं गोपाल शर्मा के भजनों से श्रद्धालुओं से खचाखच भरा पंडाल झूम उठा।

इस अवसर विभिन्न प्रकार के व्यंजन परोसे गए। संगतों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर अमित बजाज, बिल्लू लूम्बा, राजरानी बजाज, समीक्षा शर्मा, शैली शर्मा, पूनम, रजनी बजाज एवं वर्षा कुकरेजा आदि उपस्थित रहे।

एम.डी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल राजौंद में लगाया गया नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, 632 नागरिकों के स्वास्थ्य जांच की गई

आंख, नाक, गले के रोगियों को मिली नि:शुल्क दवाइयां व परामर्श, डॉ राजीव सुद ने बच्चों में मोबाइल से बढ़ते खतरे पर दी चेतावनी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद के पूंडरी मार्ग पर स्थित एम.डी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कैथल के सूद हॉस्पिटल की टीम के द्वारा एक जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें आंख रोग विशेषज्ञ डॉ राजीव सूद और नाक, कान और गला विशेषज्ञ डॉ रुचिका सूद द्वारा जांच की गई। इस शिविर का लाभ लगभग 632 मरीजों ने उठाया। यह शिविर निःशुल्क रहा और इसमें दवाईयां भी निःशुल्क वितरित की गई।

इस शिविर में कैथल से पहुंचे प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर राजीव सुद कैथल एवं उनकी विशेषज्ञ टीम ने आंख, नाक, गले से संबंधित रोगियों की जांच की और उन्हें निःशुल्क दवाइयां तथा परामर्श उपलब्ध कराया।

डॉ. राजीव सुद ने बताया कि आंखों से जुड़ी किसी भी छोटी समस्या को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और न ही घरेलू उपचार करना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से रोग बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि माता-पिता को बच्चों की आंखों की सुरक्षा को लेकर सजग रहना चाहिए। आजकल बच्चें लंबे समय तक मोबाइल फोन पर समय बिताते हैं, जिससे उनकी आंखों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को मोबाइल से दूर रखने और आउटडोर गतिविधियों की ओर प्रेरित करने की आवश्यकता है।

स्कूल के संचालक देशराज चहल ने कहा कि आज के शिविर में 632 नागरिकों के स्वास्थ्य की जांच की गई है। उन्होंने कहा कि समाज के सभी समर्थ नागरिकों, शिक्षण संस्थानों और धार्मिक संगठनों को जनहित में ऐसे स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे न केवल समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ती है बल्कि जरूरतमंद लोगों को उचित उपचार का लाभ भी मिलता है। नेत्र जांच अधिकारी रामकुमार शर्मा नीमवाला ने कहा कि

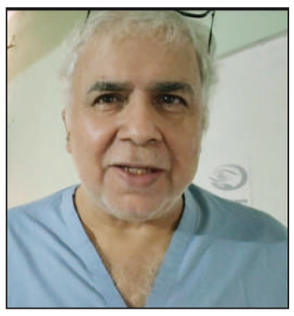

मानव आंखें बहुत संवेदनशील अंग होता है आंख में धूल मिट्टी जाने से बचाए। आंख में धूल कण चले जाने पर आंखों को रगड़े नहीं। आंखों की किसी भी समस्याएं के लिए तुरंत नेत्र रोग विशेषज्ञ को दिखाएं। दो पहिया वाहन, बाइक चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करें। आंखों को तेज रोशनी से बचाए। आंखें अनमोल होती है।

इस अवसर पर स्कूल स्टाफ, डॉक्टर सुद की टीम और स्थानीय नागरिकों ने शिविर में बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर के दौरान मरीजों की जांच, दवाइयों का वितरण और स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी देने की व्यवस्था अत्यंत सुव्यवस्थित रही। स्कूल प्रबंधन ने डॉक्टर सुद और उनकी टीम का आभार व्यक्त किया।

श्री श्याम युवा मंडल असंध द्वारा श्री श्याम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सालवन चौंक पर लगाया भंडारा

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। श्री श्याम युवा मंडल असंध द्वारा सालवन चौंक पर श्री श्याम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय दुकानदारों व आसपास के लोगों ने बढ़ चढ़कर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। श्री श्याम युवा मंडल के प्रधान प्रदीप गर्ग ने हर वर्ष श्री श्याम युवा मंडल असंध द्वारा भंडारे का आयोजन किया जाता है। जिसमें सभी सदस्य बढ़ चढ़कर सहयोग करते है। गर्ग ने कहा कि धार्मिक आयोजन से समाज में आपसी एकता व भाईचारे को बढ़ावा मिलता है। इस तरह के कार्यक्रम समाज में निरंतर होते रहने चाहिए। भंडारा जैसे आयोजन में समाज के सभी वर्ग एक स्थान पर इकट्ठा होकर एक जगह बैठकर प्रसाद ग्रहण करते हैं, इससे आपसी सद्भाव बढ़ता है।

इस अवसर पर गौरव गर्ग, नरेन्द्र मित्तल, रोहित छाबड़ा, मुनीष बिंदल, मोहित मित्तल, दिनेश शर्मा, मनोज कौशिक सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

श्री गुरु तेग बहादुर सिंह जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में कैथल में 21 नवंबर को प्रवेश करेगी यात्रा: ओएसडी डॉ. प्रभलीन सिंह

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. प्रभलीन सिंह ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर सिंह जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में हरियाणा में चार यात्राएं निकाली जा रही हैं। जिनमें से एक यात्रा आठ नवंबर को सिरसा के रोड़ी से शुरू होगी। यह यात्रा 21 नवंबर को कैथल में गढ़ी गांव से प्रवेश करेगी। जहां से सांघन सहित विभिन्न गांवों से होते हुए कैथल पहुंचेंगी। रात्रि ठहराव कैथल श्री गुरु नीम साहब गुरुद्वारे में होगा। जहां से अगली सुबह यह यात्रा कैथल से सीवन, पोलड़, कांगथली, डेरा कारसेवा होते हुए चीका से आगे के रूट पर जाएगी। कैथल में यात्रा के रूट पर अधिकारी निर्बाध यातायात व्यवस्था, चुस्त-दुरुस्त सड़कों सहित पुलिस सुरक्षा की व्यवस्था करवाएं। उन्होंने सभी का आह्वान किया कि गुरु जी की शहादत के उपलक्ष्य में निकाली जा रही यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हों और मयार्दा के साथ गुरु तेग बहादुर जी की शहादत को नमन करें।

श्री प्रभलीन सिंह रविवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में यात्रा की तैयारियों को लेकर बुलाई गई बैठक में अधिकारियों सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के तहत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों में यह यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा के दौरान मयार्दा का पूरा ध्यान रखते हुए स्वागत सहित अन्य कार्य पूरे किए जाएं। पुलिस अधिकारी सुरक्षा संबंधी सभी नियमों की पालना सुनिश्चित करवाएं। यात्रा के मार्ग की सड़कों की मुरम्मत समय रहते पूरी कर ली जाए। शहर में यात्रा के दौरान रूट पर स्ट्रीट लाइटें सहित अन्य व्यवस्थाएं पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निदेर्शानुसार पूरे प्रदेश में हर जिले में हिंदी, अंग्रेजी व पंजाबी में निबंध लेखन प्रतियोगिता करवाई जा रही है। हर जिले से 350 बच्चे इस मुकाबले में भाग ले रहे हैं। शहर की समाजसेवी संस्थाओं को इसमें शामिल किया जाए। जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए जाएं। पुष्प वर्षा की जाए। उन्होंने कहा कि यात्रा में एक एलईडी वैन भी शामिल की गई है। जिसमें श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन पर बनाई गई एक फिल्म भी चलाई जाएगी। जिले में जहां भी संभव हो, वहां यह फिल्म चलवाई जाए। साथ ही यदि कहीं लाइट एंड साउंड शो की व्यवस्था हो सके तो वहां भी कार्यक्रम आयोजित किया जाए।

बैठक में ऑनलाइन जुड़े मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी ने सुझाव दिया कि यात्रा में मंदिर कमेटियों व अन्य वर्गों को भी शामिल किया जाए, ताकि सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। वहीं बैठक में पहुंचे हरियाणा इलेक्ट्रीसिटी रेग्यूलेटरी कमीशन के सदस्य मुकेश कुमार ने कहा कि यात्रा के रूट पर साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। यात्रा के बाद भी स्वागत द्वार सहित अन्य जगहों की साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को यात्रा में भाग लेने के लिए आमंत्रित करने की अपील भी की।

बैठक में पहुंची भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने संगठन की ओर से हर संभव सहयोग व यात्रा का स्वागत करने का आश्वासन दिया। साथ ही कहा कि यह एक बड़े ही सम्मान का विषय है कि हरियाणा सरकार द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत को नमन करती हुई चार यात्राएं निकाली जा रही हैं। वहीं पूर्व विधायक लीला राम ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर को लेकर हर भारतीय के दिल में विशेष सम्मान है। कैथल में उनकी शहादत संबंधी यात्रा का स्वागत किया जाएगा और भारी संख्या में युवा मोटरसाइकिलों पर सवार होकर यात्रा में शामिल होंगे। उन्होंने पंचायतों की ओर से यात्रा के लिए स्वागत द्वार लगाए जाने का सुझाव दिया। वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक कुमार गुर्जर ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में निकाली जा रही यात्राओं के माध्यम से श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत को नमन किया जाएगा। यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है। विभिन्न जगहों पर द्वार बनाकर यात्रा में स्थानीय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कैथल-चीका रूट की मुरम्मत करने का सुझाव दिया और संगठन की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के सदस्यों बलविंद्र सिंह भिंडर व बलदेव सिंह हाबड़ी ने यात्रा के स्वागत सहित रागी-टाडी जत्थों, कथावचकों की व्यवस्था करने सहित यात्रा के रात्रि प्रवास के दौरान सभी आवश्यक प्रबंध करने का आश्वासन दिया। सभी का आह्वान किया कि मयार्दा का पालन करते हुए यात्रा संबंधी कार्यक्रमों में भाग लें।

बैठक में सेवा संघ की ओर से शिव शंकर पाहवा ने कहा कि तीन संस्थाओं के माध्यम से स्वागत द्वार बनाए जाएंगे। उन्होंने यात्रा के दौरान साफ-सफाई व रात को स्ट्रीट लाइट की सुविधा बारे सुझाव दिया। आरएसएस की ओर से पहुंचें अश्वनी कुमार ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत को लेकर संगठन द्वारा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। स्वागत द्वार सहित सभी आवश्यक तैयारियों के साथ यात्रा का स्वागत किया जाएगा। गुरु तेग बहादुर सेवा दल की ओर से सतेंद्र भाटिया, गुरनाम सिंह सहित कई सदस्यों ने अपने सुझाव रखे।

जिला प्रशासन की ओर से एडीसी सुरेश रावेश ने मुख्यमंत्री के ओएसडी प्रभलीन सिंह सहित सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि यात्रा का पूरी गरिमा के साथ स्वागत किया जाएगा। इससे पहले सभी आवश्यक प्रबंध पूरे किए जाएंगे।

इस अवसर पर शिव शंकर पाहवा, सतविंद्र सिंह, गुरमान सिंह, हरकिर्तन सिंह, बलदेव सिंह, डॉ. दिलवर सिंह, सतनाम सिंह, संदीप नैन, अश्वनी अग्रवाल, गुरचरण सिंह, अमरजीत सिंह, बहादुर सिंह, दीपेंद्र सिंह कोहली, गुरमीत सिंह के अलावा विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी व अधिकारीगण मौजूद रहे।

डीएलएसए और सीसीएफ हरियाणा ने गोद लेने के कानूनों पर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) ने चाइल्ड कंजर्वेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (सीसीएफ), हरियाणा चैप्टर के सहयोग से, हरियाणा दिवस के साथ-साथ स्थानीय सनातन धर्म मंदिर के सम्मेलन कक्ष में गोद लेने के जागरूकता दिवस को मनाते हुए एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया।

उप निदेशक व जिला अटॉर्नी सुखदीप सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे गोद लेने के विनियमों के संदर्भ में गोद लेने के कानूनी तरीके के बारे में आम जनता को जागरूक करें और साथ ही बाल अधिकारों के संरक्षण की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

सीसीएफ हरियाणा चैप्टर के समन्वयक और हरियाणा राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के मास्टर ट्रेनर अरविंद खुरानीया एडवोकेट ने गोद लेने के विनियम 2022 के साथ-साथ कारा दिशा निर्देशों में निर्दिष्ट कानूनी गोद लेने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। पैरा-लीगल वालंटियर्स, आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और डीएलएसए कैथल के रक्षा सलाहकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी, 'बाल-उपवन कैथल', 2018 से काम कर रही है और निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए अब तक 90 बच्चों को गोद दिया जा चुका है। जिनमें से चार बच्चों को अंतर-देशीय गोद में दिया गया।

डीबीए कैथल के पूर्व अध्यक्ष रणवीर पराशर एडवोकेट ने भी इस विषय पर बात की और सनातन धर्म मंदिर सभा द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की। इससे पहले सभा के अध्यक्ष रवि भूषण गर्ग और अन्य पदाधिकारियों ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया।

खानपुर थानाध्यक्ष ने फरार चल रहे अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संजना भारती संवाददाता

अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने बीती रात पुलिस फोर्स के साथ गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के खानपुर गाँव में छापामारी कर खानपुर थाना कांड संख्या-246/2025/धारा-(30) के प्राथमिकी अभियुक्त (1) विकाश कुमार पिता स्वर्गीय बौए लाल महतो-ग्राम-खानपुर-थाना खानपुर जिला समस्तीपुर ने घर छोड़ कर फरार चल रहा था।जिसे गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात छापामारी के क्रम में घर से ही गिरफ्तार कर थाना लाया गया।वही गिरफ्तार अभियुक्त के बारे में पूछने पर थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त विकाश कुमार-पिता स्वर्गीय बौएलाल महतो-ग्राम-खानपुर-थाना-खानपुर ने थाना कांड संख्या-246/2025/धारा-(30) के प्राथमिकी अभियुक्त था। जो घर छोड़ कर फरार चल रहा था। जिसे गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस फोर्स के सहयोग से बीती अभियुक्त विकाश कुमार पिता स्वर्गीय बौएलाल महतो-ग्राम खानपुर-थाना खानपुर को घर से ही गिरफ्तार कर थाना लाया गया। जिसे गिरफ्तारी कागजात तैयार कर थाना के पुलिस पदाधिकारी व चौकीदार के साथ उचित अभिरक्षा में सरकारी वाहन से माननीय न्यायालय समस्तीपुर में उपस्थापन हेतु भेजा गया है।